छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

वर्ष - 05 अंक - 17 बैकुंठपुर, रविवार 06 अक्टूबर 2024 पृष्ठ -8 मूल्य -1

RNI Reg No-CHHHIN/2020/87351

www.cgfrontline.com

शिक्षकों का अध्यापन कार्य छात्र केंद्रित हो: कलेक्टर

बैठक में जिले के समस्त 162 विद्यालयों के प्राचार्यों ने भाग लिया

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अंबिकापुर के सभागार में शनिवार को जिले में संचालित हाई एवं हायर सेकंडरी विद्यालय के प्राचार्यों की समीक्षा बैठक कलेक्टर श्री विलास भोस्कर एवं जिला शिक्षा अधिकारी अशोक सिन्हा की उपस्थिति में संपन्न हुई। इस बैठक में जिले के समस्त 162 विद्यालयों के प्राचार्यों ने भाग लिया। समीक्षा का मुख्य एजेंडा आगामी बोर्ड परीक्षा 2025 में 10वीं एवं 12वीं की प्रावीण्य सूची में ज्यादा से ज्यादा विद्यार्थियों का स्थान सुनिश्चित हो एवं जिले के औसत परीक्षा परिणाम में भी व्यापक सुधार करने का रहा। इस मासिक समीक्षा बैठक में कलेक्टर सरगुजा ने त्रैमासिक परीक्षा के परिणाम का अवलोकन एवं समीक्षा किया। मेरिट में आने वाले विद्यार्थियों के चयन पर बात कही गई तथा सुझाव दिया गया कि जिन बच्चों का प्रदर्शन अच्छा है, उन्हें और प्रोत्साहन दें तथा प्रावीण्य सूची में स्थान सुनिश्चित हो इसलिए उन्हें अतिरिक्त कक्षाओं एवं अतिरिक्त सहायक सामग्री उपलब्ध कराई जाए। विद्यालयों में शिक्षक की विलम्ब से उपस्थिति और विद्यार्थियों के कम उपस्थिति वाले विद्यालयों को निर्देशित किया गया कि वह समुदाय का सहयोग प्राप्त कर शत प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करें। प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण विद्यार्थियों के लिए लक्ष्य तय कर उन्हें अतिरिक्त सहायता प्रदान करें ताकि उनका सफलता का प्रतिशत बढ़ जाए। कलेक्टर सरगुजा ने पाठ्यक्रम पूर्णता की स्थिति की जानकारी भी ली तथा कहा कि किसी भी स्थिति में दिसंबर तक पाठ्यक्रम पूर्ण करें और प्रायोगिक कार्य जैसे महत्वपूर्ण चीजों पर उम्दा प्रदर्शन करें। उन्होंने कहा यदि विद्यालय लैब वर्क पर ध्यान देगा तो बच्चों में समझ बढ़ेगी और उनके ज्ञान अर्जित करने की दिशा में सहयोग मिलेगा। इस दौरान प्राचार्यों ने व्यक्तिगत अनुभव साझा किया एवं एजेंडावार गत वर्ष की परीक्षा 2024 की परिणाम में कमजोर प्रदर्शन वाले बच्चों के सुधार पर अपना व्यापक अनुभव साझा किया। कलेक्टर श्री भोसकर ने बैठक में कहा कि शिक्षकों का अध्यापन कार्य छात्र केंद्रित होना चाहिए। विद्यालय में शिक्षक अध्ययन एवं तैयारी के साथ, बिना किताब के अध्यापन कार्य करावें एवं बच्चों के सुधार हेतु पालकों से भी सतत संपर्क करते रहें। व्यापक सुधार हेतु कार्य करें। बहुजन हिताय बहुजन सुखाय के लक्ष्य को ध्यान में रखकर आप अपना कार्य करें। हम सभी अपना शत प्रतिशत अपने कार्य को देंगे तभी स्वयं को भी संतोष मिलेगा। सभी संकुल प्राचार्य को अपने संकुल अंतर्गत संचालित प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में प्रति सप्ताह दो दिवस अध्यापन गुणवत्ता पर विशेष जोर देते हुए अवलोकन करने को निर्देशित किया गया। प्राचार्यों द्वारा अपने विद्यालय की कार्य योजना में कमजोर छात्रों के लिए अतिरिक्त कक्ष तथा डाउट क्लास का आयोजन करने के सुझाव दिए गए। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी श्री सिन्हा ने आभार प्रदर्शन करते हुए उम्मीद जताई कि इस समीक्षा बैठक का सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और हम अपने लक्ष्य को हासिल करने में सफल होंगे। समीक्षा बैठक में एपीसी रविशंकर पांडेय, डीएमसी रविशंकर तिवारी, एपीसी बी एल अग्रवाल सहित जिले के सभी प्राचार्य उपस्थित रहे।

आकांक्षी विकासखंड लखनपुर में संपूर्णता अभियान का समापन

उत्कृष्ट कार्य करने वाले विभागों को विधायक राजेश अग्रवाल ने दी शुभकामनाएं

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। भारत सरकार की नीति आयोग द्वारा आकांक्षी कार्यक्रम के अंतर्गत जिले के आकांक्षी विकासखंड लखनपुर में शनिवार को जनपद पंचायत के सभाकक्ष में संपूर्णता अभियान का समापन समारोह आयोजित किया गया। विगत 4 जुलाई से 30 सितंबर तक संपूर्णता अभियान चलाया गया जिसका समापन समारोह जनपद पंचायत लखनपुर के सभागार में आयोजित किया गया। अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे। जिला पंचायत सीईओ नूतन कंवर की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में जिला अपर कलेक्टर सुनील नायक, एसडीएम बन सिंह नेताम, जिला एपीओ श्रीमती स्वेच्छा सिंह, जनपद पंचायत सीईओ वेद प्रकाश पांडे, नगर पंचायत अध्यक्ष दिनेश साहू सहित स्थानीय प्रतिनिधि मौजूद रहे। कार्यक्रम में भारत सरकार के नीति आयोग एवं लोकल फोर वोकल अभियान अंतर्गत आकांक्षी लोगो का अनावरण किया गया। साथ ही आकांक्षी प्रदर्शनी लगाई गई। कार्यक्रम में विधायक राजेश अग्रवाल ने एनआरएलएम की समूह की महिलाओं द्वारा बनाए गए उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए दुकान प्रदाय करने की घोषणा करते हुए लखनपुर से इसकी शुरुआत करने की बात कही। विदित है कि 4 जुलाई से 30 सितंबर तक संपूर्णता अभियान का आयोजन आकांक्षी विकासखंड लखनपुर में किया जा रहा था जिसके अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग , कृषि विभाग, आईसीडीएस विभाग और एनआरएलएम विभाग के सूचनाओं को संतृप्त करने का कार्य किया गया। विभागों ने अपने कार्य योजना के आधार पर शत-प्रतिशत लक्ष्य संपन्न किया। वहीं सभी विभागों को उत्कृष्ट कार्य के लिए विधायक श्री अग्रवाल द्वारा सम्मानित कर पुरस्कृत किया गया। विधायक श्री अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में सभी को निरंतर कार्य करने के लिए प्रेरित किया और आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम में निरंतर प्रगति लाने को प्रेरित किया। वहीं जिला पपंचायत सीईओ नूतन कंवर और अपर कलेक्टर सुनील नायक ने आगे आने वाले दिनों में आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम को नियोजित तरीके से सभी के सहयोग से आगे बढ़ाने को प्रोत्साहित किया। आकांक्षी कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य चारों विभागों के सूचकांकों को शत प्रतिशत किया जाना था, जिसकी पूर्ति पर समापन समारोह आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन एबीपी फेलो शुभिता शुक्ला ने किया।

सेमरसोत अभ्यारण्य में वन्य प्राणी संरक्षण सप्ताह का सफल आयोजन

बलरामपुर। सेमरसोत अभ्यारण्य के अंतर्गत वन परिक्षेत्र बलरामपुर में वन्य प्राणी संरक्षण सप्ताह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम उप निदेशक एलिफेंट रिजर्व सरगुजा निवास तेनेटी (आईएफएस) के निर्देशन में एवं अधीक्षक सेमरसोत अभ्यारण्य बी.एस. भगत के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का उद्देश्य वन्यजीवों के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। 2 अक्टूबर से शुरू हुए इस सप्ताह के अंतर्गत, 3 और 4 अक्टूबर को न्यू बाल विघा निकेतन स्कूल, बलरामपुर में चित्रकला और निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में कक्षा 4 से 12 तक के लगभग 100 से अधिक बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों ने वन्यजीव संरक्षण के महत्व को समझते हुए अपनी रचनात्मकता और लेखन कौशल का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर प्रतिभागियों को उप निदेशक, एलिफेंट रिजर्व सरगुजा, अम्बिकापुर के द्वारा प्रशस्ति पत्र और शील्ड देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ भी दी गई। वन्यजीव संरक्षण सप्ताह के इस आयोजन ने बच्चों और समुदाय में वन्यजीवों के संरक्षण के प्रति एक नई जागरूकता पैदा की है, जो पर्यावरण के प्रति उनके दायित्वों को समझने में सहायक होगी।

प्रियंवदा सिंह जूदेव बनी राज्य महिला आयोग की सदस्य

महिलाओं व बालिकाओं के अधिकारों की सुरक्षा को बताया अपनी प्राथमिकता

- **मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव का जताया आभार**
- **रणजीता स्टेडियम के पास स्थित दिलीप सिंह जूदेव की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर लिया उनका आर्शीवाद**

छ.ग.फ्रंटलाइन

कुनकुरी। पूर्व केन्द्रीय मंत्री और जशपुर राजपरिवार के सदस्य दिलीप सिंह जूदेव की बड़ी बहू प्रियंवदा सिंह जूदेव को प्रदेश सरकार ने राज्य महिला आयोग का सदस्य नियुक्त किया है। उनके नाम की घोषणा होने के बाद से शहर सहित पूरे जिले में समर्थकों और भाजपा के कार्यकर्ताओं में उत्साह देखा जा रहा है। घोषणा होने के बाद प्रियंवदा सिंह जूदेव शुक्रवार को शहर के रणजीता स्टेडियम में पास स्थित दिलीप सिंह जूदेव की प्रतिमा में माल्यार्पण कर उनका आर्शीवाद लिया। इस दौरान उन्होंने मिडिया से चर्चा करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और पार्टी ने उन पर भरोसा करते हुए जो जिम्मेदारी उन्हें सौंपीं है, उस पर खरा उतरने का प्रयास करेगीं। उन्होनें कहा कि उनके ससुर दिवंगत दिलीप सिंह जूदेव ने हमेश समाज के जरूरतमंदों के विकास और अधिकार के लिए संघर्ष किया है। उनके बताएं हुए मार्ग पर चलते हुए राज्य महिला आयोग का सदस्य होने के नाते वे महिलाओं और बालिकाओं के अधिकारों की रक्षा और विकास के लिए प्राथमिकता से काम करेगी। प्रियंवदा सिंह जूदेव नगर पालिका जशपुर की उपाध्यक्ष रह चुकी है। इसके साथ ही पार्टी ने उन्हें बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं अभियान में भी महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया था। प्रियंवदा सिंह जूदेव ने सक्रिय राजनीति में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए बगीचा में डोड़की नदी के पुल के लिए हुए जल सत्याग्रह आंदोलन को समाप्त कर नदी में पुल निर्माण की स्वीकृति दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसके अलावा जशपुर में बट सावित्री पूजा के दौरान हुए विवाद और हिंदुत्व को लेकर कुनकुरी थाना के घेराव जैसे मुद्दों पर भी सामने आ कर नेतृत्व किया था।

पार्टी में उनकी सक्रियता को देखते हुए उन्हें राज्य महिला आयोग के सदस्य का दायित्व दिया है। प्रियवंदा सिंह जूदेव ने इसके लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव का आभार जताया है। इस दौरान मंडल अध्यक्ष संतोष सिंह, राजकपूर भगत, विनोद मिश्रा, ललित सिंह, नगरपालिका उपाध्यक्ष राजेश गुप्ता, अरविंद भगत, शरद चौरसिया, रूपेश सोनी, संतन भगत, अनुज भगत, मालती भगत, मुन्नी गुप्ता, बेंजामीन कुजूर, निखील गुप्ता, रोमी गुप्ता, राजेश सिन्हा सहित भाजपा के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

वन विभाग द्वारा अतिक्रमणकारियों के चंगुल से वन भूमि को कराया गया कब्जा मुक्त

आरक्षित वन भूमि पर 03 वर्षों से अतिक्रमण कर 05 कृषकों द्वारा की जा रही थी खेती

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर/लुण्ड्रा। जिला के वन परिक्षेत्र लुण्ड्रा अन्तर्गत ग्राम दर्रीडीह बताश बहरी टोंगरी में ग्राम सिकिलमा के पाँच ग्रामीणों द्वारा आरक्षित शासकीय भूमि को जोतकर लगातार 03 वर्षो से टमाटर व अन्य फसलों की खेती किया जा रहा था जिससे ग्राम दर्रीडीह व ग्राम रघुनाथपूर के ग्रामवासियो द्वारा आरक्षित वन भूमि पर अतिक्रमण कर खेती किये जाने की शिकायत न्यायालय में की गई थी जिस पर संज्ञान लेते हुए राजस्व निरीक्षक,पटवारी व वन विभाग के वन परिक्षेत्र अधिकारी लुण्ड्रा राज बहादुर राय,डिप्टी रेंजर चेन्द्रा वर्मा व वन रक्षकों की उपस्थिति में अतिक्रमणकारियों के चंगुल से वन आरक्षित भूमि को मुक्त कराया गया एवं ग्राम दर्रीडीह व ग्राम रघुनाथपूर के ग्रामवासियो ने लिखित में इस आशय का वचन पत्र दिया कि भविष्य में कभी भी उक्त भूमि पर कोई कब्जा नहीं किया जाएगा। उक्त संबंध में वन विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सिकिलमा निवासी रामपाल पिता समल साय ,करम साय आत्मज खोरा,मुन्ना राम आत्मज कवरा,रजन आत्मज रामसाय,शंकर आत्मज समल साय सभी जाति उरांव को वर्ष 2007-2008 में वन भूमि पट्टा प्रदान किया गया था किन्तु उक्त कृषकों के द्वारा अन्यत्र वन आरक्षित भूमि पर 03 वर्षो से टमाटर व अन्य फसलों की खेती किया जा रहा था। राजस्व निरीक्षक व पटवारी द्वारा दस्तावेज अवलोकन पश्चात पाया गया की उक्त स्थल का पट्टा बना ही नहीं है। अंततः ग्रामवासियो की सहमति से वन आरक्षित भूमि पर पांचों कृषकों के द्वारा बड़े पैमाने पर लगे हुवे टमाटर की खेती पूर्णतः होने के उपरांत उक्त स्थल पर खेती न करने का वचन पत्र ग्रामीणों के समक्ष लिखकर हस्ताक्षर किया गया। वन विभाग के द्वारा इस दरमियान ग्रामीणों से जंगलों की रक्षा करने का वचन भी लिया गया।

मुख्यमंत्री ने नवा रायपुर स्थित नए मुख्यमंत्री निवास में किया गृहप्रवेश

रायपुर। मुख्यमंत्री ने नवरात्रि के पावन अवसर पर आज विधि विधान के साथ पूजा-अर्चना कर नवा रायपुर में नवनिर्मित नए मुख्यमंत्री निवास में गृहप्रवेश किया। उन्होंने अपनी धर्मपत्नी कौशल्या देवी साय के साथ मंत्रोच्चार और शंख ध्वनि के बीच पूजा-अर्चना की। उन्होंने अपनी माता जसमनी देवी से आशीर्वाद ग्रहण कर गृह प्रवेश किया। इस दौरान राज्यपाल रमेन डेका उनकी धर्मपत्नी रानी डेका काकोटी, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, कृषि मंत्री रामविचार नेताम, वन मंत्री केदार कश्यप, खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल, उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन, महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े, राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा व अन्य थे।

पालकों बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत किया गया जागरूक

छ.ग.फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रदेश में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान का बेहतर क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए हैं। इसी कढ़ी में जिले के फरसाबहार विकास खंड के अंकिरा सेक्टर में अभियान के तहत विभिन्न गतिविधियां कराई गई। केन्द्र सरकार और राज्य सरकार द्वारा बेटियों लिए संचालित योजनाओं की जानकारी दी गई। उल्लेखनीय है कि बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान भारत सरकार द्वारा 2015 में शुरू किया गया था। इसका उद्देश्य देश में लड़कियों का बाल विवाह रोकना और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। कन्या भ्रूण हत्या को रोकने और लड़कियों के जन्म को प्रोत्साहित करना बेटियों की शिक्षा को बढ़ावा देना और स्कूल में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करना है। सामाजिक जागरूकता लाना बेटियों के अधिकारियों के प्रति जागरूकता फैलाना शासन द्वारा बेटियों को अच्छी शिक्षा देने के लिए प्रोत्साहित करना। योजना के तहत लाभान्वित करना साथ ही बाल विवाह कानूनों का सख्ती से पालन करना बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान का उद्देश्य है।

कलेक्टर ने सड़कों का किया निरीक्षण

अंबिकापुर। कलेक्टर ने शुक्रवार को जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप, नगरनिगम आयुक्त प्रतिष्ठा ममगई सहित निर्माण विभाग से जुड़े अधिकारियों को साथ लेकर अम्बिकापुर शहर की सड़कों का निरीक्षण किया। उन्होंने जल जमाव वाले स्थानों पर सबसे पहले पानी निकासी के लिए सड़क किनारे नाली निर्माण कराने व सड़क पर अतिक्रमण करने वालों को हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने जिन दुकानदारों की ओर से नाली को पाट दिया गया है, उन्हें नोटिस देने व जुर्माना वसूलने की कार्रवाई करने के साथ ही फिर से नाली निर्माण कराने के निर्देश निगम के अधिकारियों को दिए।

कलेक्टर ने सबसे पहले डी.सी. रोड से निरीक्षण शुरू किया यहां ऊं साईं दवाई दुकान के पास सड़क में गड्ढे होने के साथ ही पानी भरा था। पानी निकासी हेतु सड़क में दोनों किनारे नाली निर्माण करना सड़क मरम्मत के समय सड़क के बीच से किनारे की ओर स्लोप बनाने में निर्देश दिए। अम्बेडकर चौक में एक किनारे पर भारी जल जमाव होने तथा सड़क खराब होने पर एनएच के अधिकारियों को शीघ्र पानी निकासी हेतु नाली निर्माण कराने व एसडीएम को वहां स्वयं ठेलों को हटाने के निर्देश दिए।

किसानों को राज्य पोषित डेयरी उद्यमिता विकास योजना की दी गई जानकारी

छ.ग.फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। जिले में किसानों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए मुर्गी पालन, बकरी पालन, डेयरी उद्योग को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। पशुपालन विभाग द्वारा नवीन दुग्ध सहकारी समिति जशपुर में ,प्रबंधन कार्यकारिणी समिति गठन के लिए दुग्ध उत्पादन पशु पालकों के लिए बैठक पशु चिकित्सालय जशपुर में आयोजित किया गया। बैठक में किसानों को दुग्ध सहकारी समिति के उद्देश्य एवं सहकारी समिति से जुड़ने और किसानों को दी जाने वाली सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। राज्य पोषित डेयरी उद्यमिता विकास योजना, पशु पालन में किसान क्रेडिट कार्ड योजना एवं चारा विकास योजना के संबंध में जानकारी दी गई। पशुपालन विभाग के द्वारा किसानों को दी जाने वाली सुविधाएं पशुओं का स्वास्थ्य प्रबंधन पशुओं के स्वास्थ्य की देखभाल, टीकाकरण और चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना। आहार और पोषण पशुओं के लिए उचित आहार और पोषण संबंधी जानकारी देना। शुओं की प्रजनन क्षमता बढ़ाने के लिए प्रजनन तकनीकों का उपयोग। पशु प्रजातियों का संरक्षण स्थानीय और दुर्लभ प्रजातियों के संरक्षण और संवर्धन के उपाय करना। किसानों और पशुपालकों को प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करना। पशुपालन से संबंधित नीतियों और योजनाओं का विकास और क्रियान्वयन करना। पशुपालन पालन विभाग किसानों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कोलकर्मी के क्वार्टर में जबरन कब्जा को खाली कराने पहुंची टीम

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल आवासीय क्वार्टर में इन दिनों अवैध रूप से प्रवेश करके कब्जा किए जाने की मानो होड़ लगी हुई है। ताला बंद क्वार्टर में लोग उसे तोड़कर जबरन प्रवेश कर रहे हैं। एसईसीएल सुरक्षा विभाग की टीम ने आज एक कोलकर्मी के क्वार्टर में ताला तोड़कर जबरन प्रवेश करने वाले व्यक्ति को अंतिम चेतावनी देते क्वार्टर को खाली करने का निर्देश दिया गया है। क्वार्टर को खाली नहीं करने पर सोमवार को कार्यवाही की बात कही गई है। गौरतलब है कि एसईसीएल आवासीय माइनस कालोनी क्वार्टर नंबर 394 निवासी एसईसीएल गायत्री भूमिगत खदान में वेल्डर के पद पर कार्यरत कालरी कर्मी प्रकाश सिंह पिता स्व. संतु राम के नाम पर प्रबंधन द्वारा एलाट किया गया है, जिसमें कोलकर्मी निवासरत था। इसी बीच वर्ष के शुरुआती महीने में कोलकर्मी

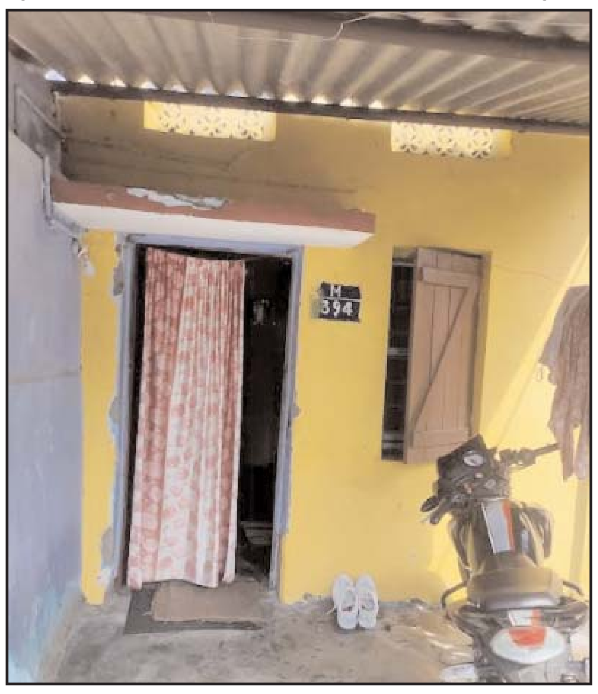

जब यहां क्वार्टर में ताला बंद करके अपने गृहग्राम में मकान बनवाने चला गया, इसी बीच अप्रैल महीने में अंबिकापुर के एक दवा दुकान में काम करने वाले नारायण ने उक्त क्वार्टर के ताला को तोड़कर जबरन प्रवेश कर रहने लगा है। इसी बीच कोलकर्मी प्रकाश सिंह का जून महीने में एक्सीडेंट होने की वजह से वह अस्पताल में लंबे समय तक भर्ती रहा और अब अपने गृहग्राम में ही निवासरत है। कोलकर्मी द्वारा उसके क्वार्टर में दूसरे व्यक्ति द्वारा जबरन ताला तोड़कर प्रवेश किए जाने की सूचना एसईसीएल प्रबंधन व बिश्रामपुर पुलिस को दी गई। सूचना पर शनिवार को एसईसीएल सुरक्षा अधिकारी अमरेंद्र नारायण के नेतृत्व में टीम मौके पर पहुंचकर क्वार्टर में जबरन कब्जा करने वाले व्यक्ति को तत्काल यहां से जाने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही रविवार 6 अक्तूबर तक क्वार्टर को खाली नहीं किए जाने पर सोमवार को वैधानिक कार्यवाही करते हुए क्वार्टर को खाली कराए जाने की बात कही गई है।

एसईसीएल प्रबंधन ने सेल्स आफीसरों का किया तबादला

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल प्रबंधन ने चार क्षेत्रों के सेल्स ऑफिसर के प्रभार बदलकर उन्हें नई जिम्मेदारी दी है। जारी आदेश में बैकुंठपुर क्षेत्र के सेल्स ऑफिसर गोकुलानंद किशोर बिश्रामपुर क्षेत्र के नए एरिया सेल्स ऑफिसर नियुक्त किए गए हैं। यहां विगत चार वर्ष से अधिक समय से क्षेत्रीय विक्रय प्रबंधक का कार्य देख रहे आरके सैनी अब क्षेत्र में ही क्वालिटी कंट्रोल का कार्य देखेंगे। भटगांव क्षेत्र के सेल्स ऑफिसर सुधीर कुमार अब दीपका क्षेत्र के नए एरिया सेल्स ऑफिसर नियुक्त किए गए हैं।जोहिला में पदस्थ मयंक अब जोहिला में ही एरिया सेल्स ऑफिसर का कार्य देखेंगे। जोहिला के सेल्स ऑफिसर गौरव वर्मा भटगांव क्षेत्र के नए सेल्स ऑफिसर नियुक्त किए गए हैं जबकि जोहिला क्षेत्र में पदस्थ धीरज मिश्रा बैकुंठपुर के नए सेल्स ऑफिसर होंगे।

एक बालिका के शिक्षित होने से दो परिवार होते हैं शिक्षित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत अजबनगर में संचालित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में सरस्वती सायकल योजना के तहत 45 छात्राओं को सायकल वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अजय गोयल समेत विशिष्ट अतिथि प्राचार्य श्रीमती विरजानिया केरकेट्टा, भाजपा मंडल अध्यक्ष देवधन राम बिंझिया, शाला विकास एवं प्रबंधन समिति अध्यक्ष एवं भाजपा मंडल महामंत्री संदीप सरकार, महिला बाल विकास एवं समाज कल्याण मंत्री के निज सचिव ओमप्रकाश राजवाड़े, ओमप्रकाश पैकरा, अजबनगर सरपंच अर्जुन सिंह, श्यामल समद्दार, प्रदीप सरकार, अजीत समद्दार मंचासिन थे। मुख्य अतिथि अजय गोयल ने कहा कि एक बालिका के शिक्षित होने से दो परिवार शिक्षित होते हैं। आप सभी आगे बढ़ें। सरस्वती सायकल योजना का शुभारंभ भाजपा सरकार में पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह ने बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू किया था। इसमें सभी को फायदा मिलता है। इस विद्यालय में जो भी बालिकाएं 95 प्रतिशत से अधिक अंक के साथ परीक्षा में उत्तीर्ण होगी, उस बालिका का 1 वर्ष का पूरा पढ़ाई का खर्च उठाया जाएगा। साथ ही उस बालिका का सम्मान भी किया जाएगा। मंच संचालन पोशाक

बेहारा ने किया। कार्यक्रम में रतन गर्ग, जनार्दन कुशवाहा, भागवत प्रजापति, तारक सरदार, बंटेश्वर सारथी, मनीष यादव, श्यामल दास, दिनेश यादव, आनंद विश्वास, नयन साय श्रीमती दुर्गा साहू, संध्या तिवारी, योगेश, संगीता प्रसाद, सीमा नाग, रूपा शाह, विनय ठाकुर, किरण मिश्रा, राज किरण, ममता वर्मा, रश्मि श्रीवास्तव, राकेश खलखो, दीपक सरकार, मिथुन मंडल, वरुण मंडल व अन्य उपस्थित थे।

खेत में लगाए गए ड्रीप सिस्टम को क्षतिग्रस्त कर चोरों ने पार किया तार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत सरस्वतीपुर में कृषि कार्य हेतु खेत में लगवाए गए ड्रीप सिस्टम को अज्ञात चोरों ने क्षतिग्रस्त करके बेशकीमती तार चोरी कर ले गए हैं।

बिश्रामपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत सरस्वतीपुर निवासी 19 वर्षीय मनीष सिंह पिता नहर सिंह गोंड के द्वारा अपने स्वामित्व की भूमि पर बांस का घेराव करके सिंचाई कार्य हेतु ड्रिप सिस्टम लगवाया गया था। साथ ही काफी दूर से विद्युत पोल से थ्री फेस विद्युत कनेक्शन प्राप्त किया गया था। बीती रात अज्ञात चोरों के द्वारा ड्रीप सिस्टम को उखाड़कर पूरी तरह से नष्ट करके तार की चोरी कर ली गई है। युवक द्वारा मामले में कुछ संदेहियों के नामजद शिकायत थाना में पुलिस से की गई है। मामले में पुलिस द्वारा विवेचना शुरू कर दिया गया है।

जमीन पर सो रहे पति पत्नी की सर्पदंश से मौत

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। जमीन पर सो रहे पति पत्नी की सर्पदंश से मौत हो गई है। लटोरी पुलिस चौकी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत

द्वारिकानगर कोरवापारा निवासी 52 वर्षीय कृपाराम पिता स्व.जूठन बीती रात पत्नी 46 वर्षीय रामकुमारी, पुत्र व दो नाती के साथ रात में भोजन किए। इसके पश्चात पति पत्नी दोनों जमीन पर ही सो गए। इसी बीच रात करीब साढ़े दस बजे पत्नी रामकुमारी की अचानक नींद खुली तो उसने देखा कि एक जहरीला सांप उसके पुत्र के बिस्तर की ओर जा रहा था। तभी महिला द्वारा शोर मचाने परिवार के सभी सदस्य उठे और जहरीले सांप को मारकर उसकी हत्या करके सभी पुनः सो गए। शनिवार की सुबह करीब साढ़े छह बजे पुत्र द्वारा काम पर जाने की बात कहकर घर से निकला तभी सुबह साढ़े आठ बजे कृपाराम व उसकी पत्नी रामकुमारी दोनों बेसुध होकर जमीन पर ही पड़े रहे। इसी बीच गांव की कुछ महिलाएं जब रामकुमारी को काम पर चलने हेतु उसके घर लेने गई, तब देखा कि दोनों पति पत्नी बेसुध होकर जमीन पर पड़े हुए थे। इसके बाद जब पास जाकर उठाने का प्रयास किए तब पता चला कि दोनों पति पत्नी की मौत हो गई है। आशंका जताई जा रही है कि रात में ही जहरीले सांप द्वारा दोनों पति पत्नी को काट लिया गया था, जिससे दोनों की मौत हुई है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंचकर शव पंचनामा पीएम उपरांत शव परिजन के सुपुर्द कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है।

अज्ञात कारणों से नशेड़ी युवक ने फांसी लगाकर दी अपनी जान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। शराब के नशे में धूत युवक ने अज्ञात कारणों से फांसी लगाकर अपनी जान दे दी है। करंजी पुलिस ने बताया कि ग्राम पंचायत दतिमा निवासी 27 वर्षीय ललित कुमार राजवाड़े पिता सोहर साय राजवाड़े ने शुक्रवार की रात शराब के नशे में धूत होकर अज्ञात कारणों से फांसी लगाकर अपनी जान दे दी है। सूचना पर पुलिस ने शव पंचनामा पीएम उपरांत शव परिजन के सुपुर्द कर मामले में मर्ग कायम कर विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि युवक सनकी था और एक वर्ष पूर्व में भी आम के पेंड से कूदकर अपनी जान देने का असफल प्रयास कर चुका था।

साठ माइनिंग अफसरों के बदले गए प्रभार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। एसईसीएल प्रबंधन ने बड़ी संख्या में माइनिंग संवर्ग के अधिकारियों का तबादला कर उनके प्रभार बदल दिए हैं। जारी आदेश में बिश्रामपुर क्षेत्र के स्टॉफ ऑफिसर माइनिंग दिनेश कुमार शर्मा को जोहिल्ला क्षेत्र का स्टॉफ ऑफिसर प्रोजेक्ट एंड प्लानिंग नियुक्त किया गया है। बलरामपुर खदान के मैनेजर सुरेश राम को बैकुंठपुर क्षेत्र के कटकोना सब एरिया का सहक्षेत्र प्रबंधक नियुक्त किया गया है। अमेरा खदान के मैनेजर बेचन सिंह को भटगांव क्षेत्र के जगन्नाथपुर ओपन कास्ट का मैनेजर नियुक्त किया गया है। आमगांव खदान के मैनेजर किरण कल्याण भोई अब अमेरा खदान के मैनेजर होंगे। राजेश कुमार केशर बिश्रामपुर से मैनेजर कुरजा हसदेव क्षेत्र, राजेश कुमार वाडेकर बिश्रामपुर से मैनेजर मैनेजर मीरा युजी जमुना कोतमा क्षेत्र, रविशंकर त्रिपाठी मैनेजर कुरसिया से मैनेजर केतकी परियोजना बिश्रामपुर क्षेत्र, गणेश प्रसाद कुम्हार मैनेजर मानिकपुर कोरबा से मैनेजर आमगांव ओसीएम बिश्रामपुर, चंद्र प्रकाश डोंगरे जोहिला से मैनेजर बलरामपुर खदान, अजय कुमार सिंह एसओ भटगांव से एसओ पीएंडपी बिश्रामपुर क्षेत्र भेजे गए हैं।

नगरपालिका एवं त्रिस्तरीय चुनाव के संबंध में राजनैतिक दलों की बैठक सम्पन्न

बलरामपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। आगामी नगरपालिका एवं त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन के संबंध में नगरपालिकाओं के आम निर्वाचन 2024-25 हेतु फोटोयुक्त निर्वाचन नामावली तैयार/पुनरीक्षित किये जाने के संबंध में आयोग द्वारा जारी समय अनुसूची (कार्यक्रम) एवं प्राप्त दिशा निर्देश से अवगत कराने हेतु राजनैतिक दलों की बैठक उप जिला निर्वाचन कार्यालय में सम्पन्न हुई। बैठक में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। उप जिला निर्वाचन अधिकारी (स्थानीय निर्वाचन) श्री शशि चौधरी ने उपस्थित राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगरपालिका/त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन 2024-25 हेतु निर्वाचक नामावली से संबंधित जारी कार्यक्रम की प्रति मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय/राज्य स्तरीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराया। तत्पश्चात् उनके द्वारा जिले के मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय/राज्य स्तरीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को नगरपालिका/त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन 2024-25 हेतु निर्वाचक नामावली से संबंधित ईआरओ/एईआरओ स्तर पर हो रहे कार्यक्रमों से अवगत कराते हुए अपेक्षित सहयोग हेतु अनुरोध किया गया। साथ ही जिले के मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय/राज्य स्तरीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं सहायक अधीक्षक के मोबाईल नंबर उपलब्ध कराया गया। मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय/राज्य स्तरीय राजनैतिक दलों के अधिकृत पदाधिकारी की ओर से निर्वाचक नामावली एजेंट नियुक्त किये जाने संबंधी प्रपत्र-2 उपलब्ध कराते हुए अभिकर्ता नियुक्त करने हेतु अनुरोध किया गया।

बैठक में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय/राज्य स्तरीय राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि के रुप में श्री संजीत गुप्ता, महामंत्री जिला कांग्रेस, श्री नौशाद आलम, विधानसभा अध्यक्ष बहुजन समाज पार्टी, श्री संतोष राम तिग्गा, जिला अध्यक्ष, श्री कृष्ण कुमार, जिला संगठनिक सचिव, श्री सुदेश्वर प्रजापति, जिला अध्यक्ष बहुजन समाज पार्टी, श्री ओमप्रकाश सोनी, जिला उपाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी, श्रीमती नीलम ठाकुर, प्रदेश संयुक्त सचिव आम आदमी पार्टी उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री आवास से संबंधित शिकायत एवं सुझाव हेतु सम्पर्क नम्बर जारी

बलरामपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में वृहद लक्ष्य 45719 की प्राप्ति हुई है, जिसकी मॉनिटरिंग हेतु मुख्यमंत्री के द्वारा धरती आबा जनजातीय उत्कर्ष ग्राम अभियान मेगा इवेंट के दौरान जिला स्तरीय सहायता केन्द्र का शुभारंभ किया गया। सहायता केन्द्र जिला पंचायत में स्थापित किया गया है। जिसमें प्रातः 10 बजे से शाम 5:30 बजे तक दूरभाष के माध्यम से 7489588724, 07831-273020 में अथवा क्यूआर कोड के माध्यम से ऑनलाइन 24ग्7 शिकायत एवं सुझाव दर्ज करा सकते हैं। जिसका निराकरण त्वरित एवं प्राथमिकता से किया जाएगा।

जनसहयोग से जूता मोजा पाकर खिल उठे चट्टीडांड़ स्कूल के बच्चों के चेहरे

प्रधान पाठक की अपील पर व्याख्याता पिंकू शर्मा ने उपलब्ध कराया बच्चों को जूता मोजा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सरकारी स्कूल के नन्हें बच्चों को नंगे पांव स्कूल आते - जाते देखना आम बात है, जूतों की तो बात ही छोड़िए, इनके पास एक जोड़ी चप्पल तक नहीं होते हैं। नंगे पैर स्कूल जाने की वजह से बहुत से बच्चे ऐसी बीमारियों से ग्रसित हो जाते हैं,जो उनके स्वास्थ्य पर बहुत बुरा प्रभाव डालते हैं। शासकीय प्राथमिक शाला चट्टीडांड़ स्कूल के प्रधान पाठक गौतम शर्मा ने बच्चों के पैरों को सुरक्षा प्रदान करने और? ठंड से बचाने के उद्देश्य से दान महोत्सव के अवसर पर बच्चों को जूता और मोजा उपलब्ध कराने के लिए जिले के कुछ समाजसेवियों से अपील की थी। जिसके फलस्वरूप सूरजपुर के व्याख्याता पिंकू शर्मा ने प्रधान पाठक गौतम शर्मा से सम्पर्क कर बच्चों के लिए जूता और मोजा उपलब्ध कराने की इच्छा जाहिर की । पिंकू शर्मा स्वयं शासकीय प्राथमिक शाला चट्टीडांड़ स्कूल पहुंच कर शाला में अध्ययनरत सभी 35 बच्चों को अपने हाथों से जूता मोजा पहनाया। जूता और मोजा पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। श्री शर्मा ने चर्चा के दौरान बताया कि उनका बचपन भी गरीबी में बीता है,छोटी - छोटी जरूरतें भी आर्थिक तंगी के कारण उनके पिताजी पूरा नहीं कर पाते थे, क्योंकि एक छोटी सी पान की दुकान से परिवार का भरण - पोषण भी बहुत मुश्किल से हो पाता था । मैंने स्वयं भी अपने पिताजी के पान दुकान चलाने के साथ चाय और ब्रेड बेचकर अपनी पढ़ाई पूरी की और आज उसी का परिणाम है कि मैं व्याख्याता के पद पर शासकीय नौकरी में हूं। इसलिए मैंने नौकरी में आने के साथ ही निर्णय लिया था कि प्रत्येक वर्ष दो शासकीय विद्यालय का चयन कर वहां के बच्चों को ज़रूरत की वस्तुएं उपलब्ध कराऊंगा । इस वर्ष मैंने दो विद्यालय का चयन किया जिसमें शासकीय प्राथमिक शाला चट्टीडांड़ और शासकीय प्राथमिक शाला सरस्वतीपुर शामिल हैं। मुझे यह करके बहुत खुशी महसूस हुआ कि मैं इन बच्चों के चेहरे पर मुस्कान ला पाया । निश्चित ही इस सहयोग से बच्चे जूते - मोजे पहनकर स्कूल आने में खुश महसूस करेंगे और फिट रहेंगे। इससे उन अभिभावकों के चेहरों पर भी खुशी देखने को मिला जो आर्थिक तंगी के कारण अपने बच्चों को जूते न दे पाने के कारण दुखी थे। प्रधान पाठक गौतम शर्मा और सभी अभिभावकों ने शाला परिवार की ओर से पिंकू शर्मा को इस सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर प्रधान पाठक गौतम शर्मा, पालक शिक्षक समिति की अध्यक्ष श्रीमती चन्द्रलेखा, शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष बंटेश्वर सारथी और शिक्षक गोविन्द नारायण चन्द्रा उपस्थित रहे।

कार को मांग कर किसी अन्य को बेचा, धोखाधड़ी का मामला दर्ज

रायपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कुशालपुर स्थित नेस्ट कार आटो डीलर से आरोपी ने क्रेटा कार लेकर किसी दूसरे के पास बेच दिया। प्रार्थी की शिकायत पर डीडीनगर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी अभिषेक देवांगन 36 वर्ष ढेबर सिटी भाठागांव का रहने वाला है। प्रार्थी पुराना वाहन खरीदी बिक्री का काम करता है। बताया जाता है कि आरोपी अभय नायडु ने प्रार्थी से क्रेटा कार क्रमांक सीजी 15 डीएक्स 3296 को बनाने के लिए मांग कर ले गया और किसी दूसरे के पास बेच दिया। प्रार्थी की शिकायत पर डीडीनगर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

महिलाओं द्वारा निर्मित सामग्री का बाजार में मिले उचित मूल्य हम सब का होना चाहिए प्रयास

भाजपा के लोकल फॉर वोकल कार्यक्रम का रंगमंच में हुआ आयोजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। भाजपा द्वारा चलाए गए सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत लोकल फॉर वोकल कार्यक्रम रंगमंच मैदान में पूर्व गृह मंत्री रामसेवक पैकरा, प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी, वरिष्ठ भाजपा नेता भीमसेन अग्रवाल, जिलाध्यक्ष बाबूलाल अग्रवाल की उपस्थिति में आयोजित किया गया। भाजपा के सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत लोकल फॉर वोकल कार्यक्रम के जिला प्रभारी भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के जिला संयोजक मुकेश गर्ग ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर भाजपा के द्वारा सेवा पखवाड़ा अभियान चलाया गया था। जिसके तहत स्थानीय लोगों को बाजार उपलब्ध कराने की दृष्टि से लोकल फॉर वोकल कार्यक्रम आयोजित करना था। जिसमें रंगमंच मैदान में जिले की विभिन्न स्वयं सहायता समूह जिनके द्वारा घरेलू उपयोग

की वस्तुएं निर्मित की जाती हैं, उनके स्टॉल लगाए गए। जिसका शुभारंभ करते हुए रामसेवक पैकरा, भूलन सिंह मरावी, भीमसेन अग्रवाल व बाबूलाल अग्रवाल ने कहा कि जिले की ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को उनके द्वारा निर्मित किए गए सामग्री का उचित मूल्य बाजार में मिले, इसके लिए हम सभी को प्रयास करना चाहिए। इनके द्वारा निर्मित सामग्री का उपयोग करने में हमें कोई शारीरिक नुकसान भी नहीं होगा, क्योंकि इनकी सामग्री रसायनिक खाद्य से युक्त नहीं है। सभी को इनकी सामग्री को आसानी से बाजार में उपलब्ध एवं विक्रय कराने में सहयोग करना चाहिए। इस दौरान भाजपा नेता रामकृपाल साहू, राजेश अग्रवाल, मुरली मनोहर सोनी, संदीप अग्रवाल, अजय अग्रवाल, शशिकांत गर्ग, आनंद सोनी ,अरविंद मिश्रा ,राजेश्वर तिवारी, संत साहू, मोहर साय, कृष्ण कुमार गोयल, मनी बग्गा, यशवंत प्रताप सिंह, सागर सिंह, आशीष गुप्ता, प्यारे साहू, अजय सिंह, संजू सोनी, महादेव सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

अपर कलेक्टर मरकाम होंगे नगरपालिका एवं त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन के लिए प्रेक्षक

बलरामपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। आगामी नगरपालिका एवं त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन 2024-25 हेतु निर्वाचक नामावली तैयार व पुनरीक्षित करने की कार्यवाही पर पूर्ण नजर रखने एवं निर्वाचक नामावली की गुणवत्ता का सतत् मूल्यांकन करने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन, रायपुर द्वारा कोरिया जिले के अपर कलेक्टर श्री अरुण कुमार मरकाम, मोबाइल नम्बर 94079-75895 को बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के लिए प्रेक्षक नियुक्त किया गया है।

प्रेक्षक के लिए लाईजिनिंग अधिकारी नियुक्त

बलरामपुर-रामानुजगंज जिले में आगामी स्थानीय निर्वाचन के सफलतापूर्वक संचालन के लिए कोरिया जिले के अपर कलेक्टर श्री अरुण कुमार मरकाम प्रेक्षक नियुक्त किया गया है।

श्री मरकाम के लिए समुचित व्यवस्था एवं समन्वय के लिये जनपद पंचायत बलरामपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री रणवीर साय मोबाइल नम्बर 74895-21507 को लाईजिनिंग अधिकारी नियुक्त किया है।

मोदी ने कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन को किया संबोधित

भारत सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, गरीबी से बाहर निकले 25 करोड़ लोग

एजेंसी

नई दिल्ली, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज दिल्ली में कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन को संबोधित किया। इस दौरान नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है। आज भारत जीडीपी के हिसाब से 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। हम वैश्विक फिनटेक अपनाने की दर के मामले में नंबर वन हैं। आज हम स्मार्टफोन डेटा खपत के मामले में नंबर वन हैं। उन्होंने कहा कि आज, वैश्विक आपातकाल के बीच, हम यहां 'भारतीय युग' के बारे में चर्चा कर रहे हैं... इससे पता चलता है कि दुनिया भारत पर कितना भरोसा करती है। आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती और 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। फिनटेक अपनाने की दर के मामले में, हम शीर्ष देश के रूप में खड़े हैं।

नरेंद्र मोदी ने कहा कि वैश्विक वास्तविक समय लेनदेन का आधा हिस्सा भारत में होता है। भारत दोपहिया वाहनों और ट्रैक्टरों का सबसे बड़ा निमार्ता है, और मोबाइल फोन का दूसरा सबसे बड़ा निमार्ता है। उन्होंने कहा कि 'सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन' हमारा मार्गदर्शक मंत्र है। जब लोगों का जीवन बदल जाता है, तो वे अपने देश में विश्वास करना शुरू कर देते हैं।

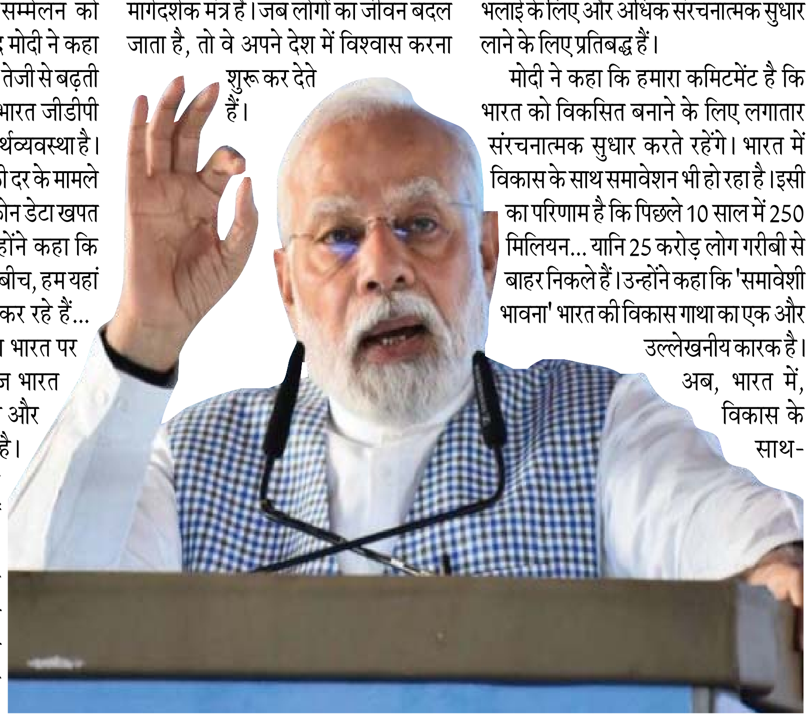

फिर वही बात उनके जनादेश के माध्यम से परिलक्षित होती है। 140 करोड़ भारतीयों का विश्वास ही हमारी ताकत है। हम भारत की भलाई के लिए और अधिक संरचनात्मक सुधार लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

मोदी ने कहा कि हमारा कमिटमेंट है कि भारत को विकसित बनाने के लिए लगातार संरचनात्मक सुधार करते रहेंगे। भारत में विकास के साथ समावेशन भी हो रहा है। इसी का परिणाम है कि पिछले 10 साल में 250 मिलियन... यानि 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। उन्होंने कहा कि 'समावेशी भावना' भारत की विकास गाथा का एक और उल्लेखनीय कारक है।

अब, भारत में, विकास के साथ-साथ समावेशन भी होता है। परिणामस्वरूप, पिछले 10 वर्षों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि भारत की वृद्धि का लाभ सभी को मिले।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वैश्विक नेता और वित्तीय विशेषज्ञ भारत की वृद्धि को लेकर आशावादी हैं। निवेशकों का मानना है कि यह भारत में निवेश करने का सही समय है। यह कोई संयोग नहीं है, बल्कि यह पिछले दशक में भारत में हुए सुधारों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि नौकरियां, कौशल, सतत विकास और निरंतर तेजी से विस्तार पर मोदी 3.0 का विशेष ध्यान है। उन्होंने कहा कि कारोबार करने को सरल बनाने के लिए अनुपालन बोझ को कम किया, कंपनी कानून के कई प्रावधानों को अपराध की श्रेणी से बाहर किया। उन्होंने कहा कि मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए हम पीएलआई (प्रोडक्शन-लिंक्ड इंसेंटिव) लाए। पीएलआई के कारण 1.25 लाख करोड़ रुपये का निवेश आया है। अंतरिक्ष क्षेत्र में अब 200 से अधिक स्टार्टअप हैं। भारत मोबाइल फोन के आयातक से उत्पादक बन गया है। भारत में हर क्षेत्र में निवेश के प्रचुर अवसर हैं।

चेन्नई मेट्रो परियोजना के दूसरे चरण से यातायात सुगम होगा : प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि चेन्नई मेट्रो रेल परियोजना के दूसरे चरण को केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी मिलने से शहर में यातायात को सुगम बनाने और स्थिरता तथा आर्थिक विकास में मदद मिलेगी। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, एक जीवंत शहर में जीवन और सुगम होगा! मैं चेन्नई और तमिलनाडु के लोगों को चेन्नई मेट्रो रेल परियोजना के दूसरे चरण को मंत्रिमंडल की मंजूरी मिलने पर बधाई देता हूं। इससे यातायात को सुगम बनाने, स्थिरता और आर्थिक विकास में सुधार लाने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में कलश स्थापना की

संवाददाता

लखनऊ, शारदीय नवरात्र के पहले दिन (प्रतिपदा) बृहस्पतिवार को गुरु गोरखनाथ की तपस्थली गोरक्षपीठ में मां आदिशक्ति की उपासना का विशेष अनुष्ठान गोरक्षपीठाधीश्वर एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सानिध्य में पीठ की परंपरा के अनुसार वैदिक विधिविधान से शुरू हुआ। गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने मठ के प्रथम तल पर स्थित शक्तिपीठ में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच कलश स्थापना कर मां शैलपुत्री की पूजा अर्चना की। शारदीय नवरात्र प्रतिपदा का अनुष्ठान मां जगतजननी की आराधना, देवी पाठ, आरती और क्षमा प्रार्थना के साथ पूर्ण हुआ। एक बयान के मुताबिक कलश स्थापना के पूर्व गोरखनाथ मंदिर परिसर में भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गई। सायंकाल गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ की अगुवाई में साधु-संतों की शोभायात्रा, परंपरागत वाद्य यंत्रों घंट-घड़ियाल, तुरही, शंख की ध्वनियों और मां दुर्गा के जयघोष के बीच पौराणिक मान्यता वाले भीम सरोवर पर पहुंची।

मौसम

अधिकतम तापमान 43.c

न्यूनतम तापमान 29.c

बाजार

सोना 7,177/ g

चांदी 96/ g

सेंसेक्स 81,332.72

निफ्टी 24,834.85

राम मंदिर के मुख्य शिखर का निर्माण कार्य हुआ शुरू

नृपेंद्र मिश्रा ने बड़ी जानकारी

संवाददाता

अयोध्या, शुक्रवार को अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि निर्माण समिति की बैठक का दूसरा दिन रहा। इस बैठक की नृपेंद्र मिश्रा की अध्यक्षता ने की। तीन दिवसीय बैठक के बारे में बात करते हुए, मिश्रा ने कहा कि गुरुवार को एक समीक्षा बैठक हुई और पुष्टि की गई कि शिखर का निर्माण शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि कल एक समीक्षा बैठक हुई। हमने कई महत्वपूर्ण बातों पर चर्चा की। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि शिखर का निर्माण, जो हमारे लिए एक बहुत बड़ी तकनीकी चुनौती है, कल शुरू हो गया। यह निर्णय लिया गया है कि लार्सन टुब्रो, टीसीई और सीआरबीआई जैसी एजेंसियां निर्माण में शामिल होंगी और हर परत की उचित जांच की जाएगी।

आगे उन्होंने कहा कि छोटे निर्माण कार्य किस्तों में ट्रस्ट को सौंपे जाएंगे। उन्होंने कहा कि सबस्टेशन, फायर स्टेशन, सीवर ट्रीटमेंट प्लांट और जल उपचार संयंत्र जैसे छोटे निर्माण कार्य जो पूरे हो चुके हैं, उन्हें अब किश्तों में ट्रस्ट को सौंप दिया जाएगा। इससे ट्रस्ट रखरखाव और संचालन के लिए जिम्मेदार होगा। अन्य सभी निर्माण कार्य कार्यों की निगरानी भी की गई है।

राहुल गांधी ने हरियाणा में प्रचार रैलियों में दिया जोरदार भाषण

भाजपा और आरएसएस की विचारधारा पर किए तीखे वार

एजेंसी

नई दिल्ली, हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए प्रचार पूरी तरह से थम चुका है। जिससे तीन-चार दिन पहले कांग्रेस के दिग्गज नेता राहुल गांधी ने प्रचार की कमान अपने हाथों में ली थी। जिसको लेकर कल उन्होंने राज्य में कई रैलियां को संबोधित करते हुए भारतीय जनता पार्टी की सरकार और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को आड़े हाथों लेते हुए पर जमकर हमला बोला। इसके साथ ही गांधी ने हरियाणा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को शेर और शेरनियां बताते हुए कहा कि उनकी बदौलत ही पूरी पार्टी को शक्ति मिलती है।

रैली को संबोधित करते हुए रायबरेली से कांग्रेस के सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस के कार्यकर्ता नफरत को मुहब्बत से खत्म करते हैं। कांग्रेस कार्यकताओं के दिल में इज्जत, भाईचारा और सभी के लिए सम्मान हमेशा बना रहता है। अपनी भारत जोड़ो यात्रा का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि यात्रा के दौरान जिस किसी भी क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं ने नफरत फैलाने की कोशिश की, वहां कांग्रेस के कार्यकताओं ने मुहब्बत की दुकान खोलकर अपने भाईचारे और एकता का संदेश फैलाया हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि कांग्रेस हमेशा जोड़ने की बात करती है। तो वहीं, बीजेपी का काम सिर्फ देश की एकता को तोड़ना है।

रैली के दौरान संविधान की एक कॉपी दिखाते हुए राहुल गांधी ने लोगों से कहा कि इस चुनाव में असली लड़ाई संविधान बचाने की है। उन्होंने कहा कि संविधान की बदौलत ही देश में किसान, मजदूर और गरीब तबके के लोगों को उनके अधिकार मिले हैं, लेकिन भाजपा की सरकार बाबा साहेब अंबेडकर के बने इस संविधान को खत्म करने की साजिश रच रही है। लोगों से सजग रहने की अपील करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि अगर संविधान खत्म हो गया, तो लोगों के सभी अधिकार सरकार छीन लेगी और सत्ता सिर्फ चुने हुए 20 से 25 लोगों के हाथ में चली जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने कांग्रेस को संविधान बढ़ाने की विचारधारा वाली पार्टी बताते हुए कहा कि लोगों ने उन्हें बताया है कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने हरियाणा को पूरी तरह से बर्बाद कर दिया है।

राज्य में युवाओं के लिए कोई रोजगार की व्यवस्था नहीं है। जिसके कारण उन्हें मजबूरी में डंकी रूट से अमेरिका जाना पड़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सीधा हमला करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि पीएम मोदी को हरियाणा की जनता को इस बात का जवाब देना चाहिए कि उन्होंने राज्य को बेरोजगारी दर में सबसे अंत में क्यों पहुंचाया।

संक्षिप्त समाचार

गोंडा में बस की चपेट में आने से पीएसी के कांस्टेबल की मौत

एजेंसी

नई दिल्ली, गोंडा जिले में बृहस्पतिवार सुबह एक तेज रफ्तार रोडवेज बस की चपेट में आने से पीएसी के हेड कांस्टेबल की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि पीड़ित की पहचान गोरखपुर जिले के निवासी गोरख प्रसाद (50) के रूप में हुई है, जो प्रांतीय सशस्त्र कांस्टेबुलरी (पीएसी) की 30वीं बटालियन में हेड कांस्टेबल थे। दुर्घटना गोंडा-लखनऊ मुख्य मार्ग पर पीएसी गेट के पास हुई। प्रसाद मोटरसाइकिल से बाजार जा रहे थे, तभी एक बस ने उन्हें टक्कर मार दी। अपर पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार रावत ने बताया कि उन्हें गंभीर चोटें आईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

देश में विनिर्माण को वापस लाना एक कठिन काम था : पीयूष गोयल

एजेंसी

नई दिल्ली, देश में विनिर्माण को वापस लाना बहुत कठिन कार्य रहा है। वर्ष 2014 में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यभार संभाला था तब आर्थिक स्थिति बहुत खराब थी। ये जानकारी केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने दी है। मंत्री ने यह बात गुरुवार को संपन्न हुई अपनी चार दिवसीय अमेरिकी यात्रा के दौरान एक प्रेस संबोधन के दौरान कही।

उन्होंने यह भी कहा कि जब प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यभार संभाला था तब भारत पांच नाजुक अर्थव्यवस्थाओं में शामिल था और विदेशी मुद्रा में कम वृद्धि और उच्च ब्याज दर जैसी अन्य समस्याएं भी थीं।

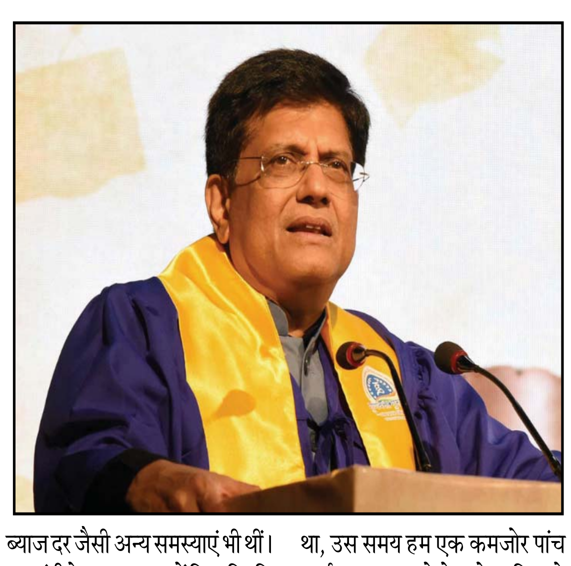

मंत्री ने कहा, 2014 में जिस स्थिति में प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यभार संभाला था, उस समय हम एक कमजोर पांच अर्थव्यवस्था वाले देश थे। दुनिया ने हमें खत्म मान लिया था। मुद्रास्फीति अधिक थी, ब्याज दरें अधिक थीं। विदेशी मुद्रा भंडार और विकास कम था। निवेशकों की भावना खराब थी। शेयर बाजार नीचे थे। हमें दुनिया की सबसे कमजोर मुद्राओं और अर्थव्यवस्थाओं में से एक माना जाता था। इन बाधाओं के बावजूद, 2014 से पहले हर हफ्ते भ्रष्टाचार के घोटाले सामने आते थे, देश में विनिर्माण को वापस लाना एक कठिन काम था। वर्ष 2014 से भारतीय अर्थव्यवस्था की यात्रा पर प्रकाश डालते हुए, मंत्री ने कहा, देखें कि 2014 से 2024 तक हम कहां पहुंच गए हैं। हमने विकास दर को 4 प्रतिशत से बढ़ाकर 8 प्रतिशत कर दिया है। हमारी मुद्रास्फीति 9 प्रतिशत से घटकर 4 प्रतिशत से कम हो गई है। पिछले 10 वर्षों में हमारी औसत मुद्रास्फीति भारत के इतिहास में सबसे कम रही है। हमारा विदेशी मुद्रा भंडार अब लगभग 700 बिलियन डॉलर है।

मंत्री ने यह भी कहा कि देश के विनिर्माण क्षेत्र में भी सुधार हुआ है, उन्होंने कहा, विनिर्माण ने भी गति बनाए रखी है और पिछले दस वर्षों में लगभग दोगुना हो गया है। मंत्री गोयल की 4 दिवसीय अमेरिकी यात्रा गुरुवार को संपन्न हुई, जहां भारत और अमेरिका ने आपूर्ति श्रृंखलाओं को खुला रखने और भारत के खान मंत्रालय और अमेरिकी सरकार के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण खनिजों पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे।

हमें त्योहार के समय बाढ़ प्रभावित लोगों की परेशानी के बारे में सोचना चाहिए: ममता

एजेंसी

कोलकाता, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने त्योहारों के समय में राज्य के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को राहत-सामग्री भेजने के लिए अपनी सरकार की प्रतिबद्धता बृहस्पतिवार को दोहराई। कोलकाता के बेहाला क्षेत्र में एक दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन करते हुए बनर्जी ने कहा कि त्योहार के दिनों में बाढ़ से प्रभावित लोगों की पीड़ा को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने बताया कि दक्षिण और उत्तर बंगाल के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को राहत सामग्री भेजी गई है, जिसमें चावल, दाल, आलू, सोयाबीन, सरसों का तेल और अन्य आवश्यक खाद्य सामग्री शामिल हैं। उन्होंने बताया कि मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार अगले दो दिन में बारिश होने की संभावना है तथा षष्ठी से शुरू होने वाले त्योहार के बाद के चार दिन तक छिटपुट बारिश और धूप वाला मौसम रहने की उम्मीद है। ममता बनर्जी ने कुछ समूहों द्वारा दुर्गा पूजा में शामिल न होने पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, पूजा कभी नहीं रुकती है। उन्होंने कहा, त्योहार कभी नहीं रुक सकते। दुर्गा पूजा के बाद अन्य त्योहार भी आएंगे।

असम सरकार ने ओरंग राष्ट्रीय उद्यान में 22,000 बीघा जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराया: हिमंत

एजेंसी

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने ओरंग राष्ट्रीय उद्यान में 22,000 बीघा जमीन से अतिक्रमण हटा दिया है। शर्मा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, असम में, हम वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में सफलता की एक नयी कहानी लिख रहे हैं। हमेशा की तरह संदिग्धों के विरोध के बावजूद, हमने ओरंग राष्ट्रीय उद्यान में 22,000 बीघा जमीन को अतिक्रमण से मुक्त कराया। उन्होंने लिखा कि ओरंग राष्ट्रीय उद्यान का क्षेत्रफल अब कई गुना बढ़ गया है और यह काजीरंगा और बुरहा-चापोरी वन्यजीव अभयारण्य से सीधे जुड़ गया है, जिससे जानवरों के पनपने के लिए 180 किलोमीटर लंबा एक निर्बाध संरक्षित क्षेत्र बन गया है।

शर्मा ने कहा, यह विशाल क्षेत्र अब वनस्पतियों और जीवों के विविध रूपों को संजोये रखेगा और असम को जैव विविधता के प्रमुख केंद्र के रूप में मजबूत करेगा। ओरंग राष्ट्रीय उद्यान राज्य के दरांग और सोनितपुर जिलों में ब्रह्मपुत्र नदी के उत्तरी तट पर स्थित है। एक सींग वाले गैंडे और रॉयल बंगाल टाइगर सहित विभिन्न जानवरों के लिए प्रसिद्ध यह उद्यान 79.28 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। ओरंग को 1985 में एक अभयारण्य के रूप में स्थापित किया गया था और 13 अप्रैल, 1999 को इसे राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया। काजीरंगा और ओरंग दोनों में दलदल, नदियां और घास के मैदान एक जैसे हैं और यहां एक जैसे वन्यजीव रहते हैं।

बेंगलुरु के तीन इंजीनियरिंग कॉलेजों को ईमेल से मिली बम की धमकी

हाई अलर्ट पर पुलिस

एजेंसी

नई दिल्ली, बेंगलुरु के तीन इंजीनियरिंग कॉलेजों को ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली, जिससे परिसर में दहशत फैल गई। पुलिस ने कहा कि धमकियों की सूचना शुक्रवार दोपहर को दी गई, जो बाद में अफवाह निकली। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, बसवनगुड़ी में बेंगलुरु इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और बीएमएस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग और सदाशिवनगर में एमएस रमैया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी को दोपहर करीब 1 बजे ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली।

जल्द ही, कॉलेज प्रबंधन ने पुलिस को सूचित किया, जो बम निरोधक और डॉग स्क्वॉड के साथ मौके पर पहुंची। गहन जांच के बाद पुलिस इस नतीजे पर पहुंची कि यह एक फर्जी ईमेल था। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण डिवीजन) लोकेश बी जगलासर ने एक बयान में कहा कि (मेल के) स्रोत का पता लगाने के लिए हनुमंत नगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। मामले की जानकारी जैसे ही अभिभावकों को हुई तो वे अपने बच्चों की सुरक्षा के बारे में जानकारी लेने के लिए कॉलेजों के सामने जमा हो गए।

पुलिस ने बताया कि इससे पहले 3 अक्टूबर को नौ शैक्षणिक संस्थानों को एक ईमेल मिला था जिसमें दावा किया गया था कि उनके परिसरों में बम लगाए गए हैं और तलाशी के बाद यह धमकी अफवाह निकली। ईमेल देखने के बाद मनाप्पराई स्थित कैंपियन स्कूल प्रबंधन ने तुरंत पुलिस को सूचना दी. एक बम खोजी और निपटान दस्ते ने स्कूल परिसर की तलाशी ली और बाद में अन्य संस्थानों में भी तलाशी ली, जिन्हें इसी तरह के मेल प्राप्त हुए थे।

सरकार की आलोचना करने वाले पत्रकार पर आपराधिक मामले दर्ज नहीं किए जा सकते

सुप्रीम कोर्ट से यूपी के जर्नलिस्ट को मिली राहत

एजेंसी

नई दिल्ली, सुप्रीम कोर्ट ने 4 अक्टूबर को सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि सरकार के बारे में आलोचनात्मक लेखन के लिए पत्रकारों पर आपराधिक मामला नहीं दर्ज किया जाना चाहिए। शीर्ष अदालत ने कहा कि पत्रकारों के खिलाफ आपराधिक मामले सिर्फ इसलिए नहीं थोपे जाने चाहिए क्योंकि उनके लेखन को सरकार की आलोचना माना जाता है। न्यायमूर्ति हृषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी की पीठ उपाध्याय की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें उन्होंने अपने पत्रकारिता लेख को लेकर यूपी पुलिस द्वारा उनके खिलाफ दर्ज की गई एफआईआर को रद्द करने की मांग की थी। उत्तर प्रदेश राज्य को नोटिस जारी करते हुए पीठ ने मामले को 5 नवंबर के लिए पोस्ट कर दिया।

पीठ ने पत्रकारिता की स्वतंत्रता के संबंध में कुछ प्रासंगिक टिप्पणियाँ कीं। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि लोकतांत्रिक देशों में किसी के विचार व्यक्त करने की स्वतंत्रता का सम्मान किया जाता है। पत्रकारों के अधिकार भारत के संविधान के अनुच्छेद 19 (1) (ए) के तहत संरक्षित हैं। केवल इसलिए कि एक पत्रकार के लेखन को सरकार की आलोचना, आपराधिक माना जाता है लेखक के खिलाफ मामले नहीं थोपे जाने चाहिए। अपनी याचिका के माध्यम से उपाध्याय ने यूपी पुलिस द्वारा दर्ज की गई एफआईआर के साथ-साथ अन्य स्थानों पर घटना के संबंध में दर्ज की गई अन्य एफआईआर को रद्द करने की मांग की है। याचिकाकर्ता का कहना है कि पूर्व मुख्यमंत्री और वर्तमान विपक्ष के नेता अखिलेश यादव द्वारा 'एक्स' पर एक पोस्ट में इसकी सराहना किए जाने के बाद उनका लेख चर्चा का विषय बन गया। इसके बाद उन्हें ऑनलाइन धमकियां मिलनी शुरू हो गईं। ऐसी धमकियों के खिलाफ उन्होंने यूपी पुलिस के कार्यवाहक डीजीपी को एक ईमेल लिखा और उसे अपने 'एक्स' हैंडल पर पोस्ट किया।

सम्पादकीय

जेलों में जातिगत भेदभाव को खत्म करने का फैसला सही

जातिवाद भारतीय समाज के सबसे बड़े स्याह पहलू हैं, जो समाज से लेकर सरकार के अनेक अंग तक में दिखाई देते हैं। देश में अनेक जेल ऐसी हैं, जिनमें काम का वितरण जाति आधार पर किया जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने जेलों में जाति के आधार पर कैदियों से भेदभाव को गंभीर मानते हुए इस प्रथा को खत्म करने को कहा है। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को 11 राज्यों की जेल नियमावली के भेदभावपूर्ण प्रावधानों को खारिज कर दिया है। अदालत ने जाति के आधार पर काम के वितरण और कैदियों को अलग-अलग वार्ड में रखने के चलन की निंदा की है। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी. वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा, 'जेल में ऐसे सभी प्रावधान असंवैधानिक हैं, इस तरह के भेदभाव को रोकने का दायित्व राज्य का है।' पीठ ने राज्यों को तीन महीने के भीतर अपने जेल नियमावली में संशोधन करने के लिए कहा है। पीठ ने निर्देश में कहा है कि राज्य कारागार नियमावली में आदतन अपराधियों का उल्लेख यदि जाति पर आधारित है तो उसे असंवैधानिक घोषित किया जाता है। आज कुछ राज्यों की जेलों में कैदियों की पहचान के आधार पर जेलों के शारीरिक श्रम, बैरकों का विभाजन किया जाता है। सर्वोच्च अदालत ने जेलों के रजिस्टर में कैदियों की जाति के आधार पर काम को हटाने को कहा है। कोर्ट ने मैला ढोने व खाना बनाने जैसे काम के विभाजन जाति आधार पर न करने की हिदायत दी है। दरअसल, जेल में जातिगत भेदभाव आधारित स्थिति औपनिवेशिक काल से है, उस वक्त के आपराधिक कानून का औपनिवेशिक काल के बाद के दौर में होना चिंताजनक है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले में संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) के तहत गैर-भेदभाव के पहलुओं पर गौर किया गया है। कानून की नजर में सब समान है तो उसके पालन में जातिगत भेद का कोई मतलब नहीं है। दरअसल, देश की राजनीति ही दूषित हो गई है, जिसमें जातिगत विभाजन को बढ़ावा मिल रहा है। वोट के लिए जातिगत विभाजन से समाज का नुकसान हो रहा है और देश समावेशी समाज की तरफ अग्रसर नहीं हो पा रहा है। भारत को जाति व्यवस्थामुक्त समाज निर्माण की ओर आगे बढ़ना चाहिए, राह आसान नहीं है, तो कठिन भी नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने भी माना है कि जाति-मुक्त समानता पर आधारित संवैधानिक व्यवस्था का लक्ष्य रातोंरात नहीं हासिल जा सकता है। लेकिन जेल नियमावली में बदलाव के निर्देश इस दिशा में कदम जरूर है। कैदियों को सम्मान प्रदान न करना औपनिवेशिक काल की निशानी है, जब उन्हें मानवीय गुणों से वंचित किया जाता था। संविधान में यह अनिवार्य किया गया है कि कैदियों के साथ मानवीय व्यवहार किया जाना चाहिए और जेल प्रणाली को कैदियों की मानसिक और शारीरिक स्थिति के बारे में पता होना चाहिए। शीर्ष कोर्ट ने दो टूक कहा है कि यदि कैदियों से अमानवीय काम करवाया जाता है और उनके साथ अमानवीय व्यवहार किया जाता है, तो इसके लिए राज्य उत्तरदायी होंगे। सुप्रीम अदालत का यह निर्देश सराहनीय है, स्वागत योग्य है। जेल में 'अनुसूचित जातियों (एससी), अनुसूचित जनजातियों (एसटी) और विमुक्त जनजातियों के खिलाफ भेदभाव असहनीय है, सवाल है कि अब तक सरकार का ध्यान इस ओर क्यों नहीं गया? अदालत ने संविधान के अनुच्छेद 21 की नए सिरे से व्याख्या की है, जिसका एक सेक्शन जाति आधारित भेदभाव को खत्म करने की बात करता है।

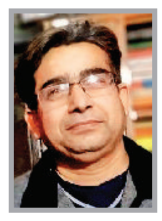

जलवायु परिवर्तन
कल्लोल चक्रवर्ती

मानसून के रंग भी हो रहे बदरंग

> एक तरफ मानसून की विदाई देर से हो रही है, जिससे ठंड अधिक पड़ने की स्वाभाविक ही आशंका है, दूसरी तरफ, पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग समेत कुछ दूसरे इलाकों में हाल ही में भीषण गर्मी के कारण पर्यटकों और आम लोगों का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया। मानसून की अतिवृष्टि से इस वर्ष भी देश के अलग-अलग इलाकों में बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं हुई हैं। विगत 30 जुलाई को केरल के वायनाड में हुए भूस्खलन में करीब 400 लोग मारे गए थे और 150 लोग लापता थे। इसी तरह लगातार 72 घंटे से भी अधिक की मूसलाधार बारिश के कारण पिछले महीने त्रिपुरा में आई बाढ़ से लगभग 17 लाख लोग प्रभावित हुए थे।

पिछले कुछ वर्षों की तरह इस साल भी देश से मानसून की विदाई उसकी तय तिथि से लगभग एक सप्ताह बाद हुई, जो स्पष्ट रूप से जलवायु परिवर्तन के असर के बारे में बताती है। मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक, लंबे समय से मानसून 17 सितंबर के आसपास विदा होता रहा है, लेकिन वर्ष 2017 से मानसून सितंबर के अंत में विदा हो रहा है। बीच में दो साल-यानी 2019 और 2021 में तो इसने अक्टूबर में विदा ली थी। यही नहीं, मानसून तय तिथि से थोड़ा पहले आ भी रहा है, पूरे देश को भिगोने में वह पहले से कम समय ले रहा है और औसत वर्षा भी पहले की तुलना में अधिक हो रही है।

एक तरफ मानसून की विदाई देर से हो रही है, जिससे ठंड अधिक पड़ने की स्वाभाविक ही आशंका है, दूसरी तरफ, पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग समेत कुछ दूसरे इलाकों में हाल ही में भीषण गर्मी के कारण पर्यटकों और आम लोगों का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया। मानसून की अतिवृष्टि से इस वर्ष भी देश के अलग-अलग इलाकों में बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं हुई हैं। विगत 30 जुलाई को केरल के वायनाड में हुए भूस्खलन में करीब 400 लोग मारे गए थे और 150 लोग लापता थे। इसी तरह लगातार 72 घंटे से भी अधिक की मूसलाधार बारिश के कारण पिछले महीने त्रिपुरा में आई बाढ़ से, जिसे 1983 के बाद राज्य में आई सबसे भीषण बाढ़ बताया गया, लगभग 17 लाख लोग प्रभावित हुए थे। असम और गुजरात में आई बाढ़ से भी जान-माल की तबाही हुई। असम जैसे राज्य तो अमूमन हर साल बाढ़ का सामना करते हैं, लेकिन अतिवृष्टि से देश के शहरी इलाकों में पानी से भरे अंडरपास से गुजरते हुए मौत की घटनाएं शहरी नियोजन से जुड़ी नई चुनौती के बारे में बताती है। पिछले दिनों अतिवृष्टि और बाढ़ से देश में जैसी तबाही हुई, वर्ष के पूर्वार्ध में तेज गर्मी और लू के कारण उतना ही नुकसान हुआ था।

हीटवॉच और वेटिडम इंडिया फाउंडेशन द्वारा जारी की गई रिपोर्ट के मुताबिक, विगत मार्च से जून तक हीट स्ट्रोक के देशभर में 40,000 से अधिक मामले सामने आए थे, और हीट वेव से 733 लोग मारे गए थे। हीटवेव से हुई मौतों में उत्तर प्रदेश, दिल्ली और फिर ओडिशा का नंबर था। यही नहीं, इस साल गर्मियों में देश के 150 मुख्य जलाशयों में पानी का स्तर पिछले साल के मुकाबले 23 से 77 प्रतिशत तक कम था। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के हवाले से रिपोर्ट में बताया गया कि तापमान में एक डिग्री की वृद्धि होने से गेहूं की पैदावार में तीन से चार प्रतिशत की कमी आ सकती है। सिर्फ भारत ही नहीं, समूचे दक्षिण एशिया, अफ्रीका, यूरोप और अमेरिका ने भी पिछले दिनों अतिवृष्टि, बाढ़ और तूफानों का सामना किया। पिछले महीने बांग्लादेश में आई बाढ़ से करीब दो करोड़ लोग प्रभावित हुए थे। जबकि जुलाई में पाकिस्तान में आई बाढ़ में लगभग 250 लोग मारे गए थे और भारी तबाही हुई थी। म्यांमार में हाल ही में आए तूफान यागी से करीब 250 लोग मारे गए और सौ से ज्यादा लोग लापता हुए। लगभग 375 स्कूल और 55,000 घर ध्वस्त हुए हैं। वहां उत्तर के पहाड़ी इलाकों में तूफान से सर्वाधिक तबाही हुई है। एएफपी के मुताबिक, करीब सवा तीन

लाख लोगों को अस्थायी राहत शिविरों में रखा गया और पूरे म्यांमार में 200 से अधिक राहत शिविर खोले गए हैं। पर्यावरणविद यागी को इस साल एशिया का सबसे भीषण तूफान बता रहे हैं। इस तूफान से वियतनाम, लाओस और फिलिपींस जैसे देश भी प्रभावित हुए हैं। वियतनाम में करीब 200 लोग तूफान में मारे गए और वहां वैश्विक एजेंसियां मदद पहुंचा रही हैं। यूनिसेफ का कहना है कि मूसलाधार बारिश और बाढ़ से दक्षिण एशिया के 60 लाख से अधिक बच्चों पर अस्तित्व का खतरा है। चीन के शंघाई में भी पिछले दिनों भीषण तूफान बेबिनका के कारण, जिसे 1949 के बाद सबसे भीषण तूफान बताया गया, भारी तबाही मची। इसके कारण करीब 30,000 घरों में बिजली गुल हो गई और लगभग 2,000 पेड़ टूटकर गिर पड़े। नतीजतन डिज्नीलैंड को बंद करना पड़ा और कुछ हाई स्पीड ट्रेन रूटों को भी अस्थायी तौर पर बंद करना पड़ा।

तूफान के कारण तीन दिवसीय उत्सव की छुट्टी का आनंद फीका पड़ गया और अनेक पर्यटक अपने होटलों में फंसे रह गए। बगल के दो शहर-सुझोउ और नानकिंग भी तूफान से प्रभावित हुए। गौरतलब है कि लंबे समय से चीन के कुछ इलाके सूखे का, तो कुछ क्षेत्र बाढ़ का सामना कर रहे हैं। वर्ष 1961 के बाद इस साल की जुलाई वहां सबसे गर्म रही। अफ्रीका के भी कई देश अतिवृष्टि और बाढ़ का सामना कर रहे हैं।

पश्चिम और मध्य अफ्रीका में मूसलाधार बारिश से आई बाढ़ से 1,000 से ज्यादा लोग मारे गए और हजारों घर बर्बाद हुए। बाढ़ से 40 लाख लोग प्रभावित हुए हैं, जबकि लगभग 10 लाख लोगों को घर छोड़कर भागना पड़ रहा है। अकेले नाइजीरिया में मृतकों का आंकड़ा 200 से ज्यादा बताया गया। जाहिर है, बाढ़ का पानी उतरने के बाद वहां महामारी फैलने के भी आसार हैं। नाइजर में 250 से अधिक लोग, तो चाड में करीब 500 लोग मारे गए बताए जाते हैं। दक्षिणी नाइजर के जिंदर शहर में पिछले दिनों भारी वर्षा से 1810 में बनी एक ऐतिहासिक मस्जिद ढह गई। वर्ष 1960 के बाद की सबसे भीषण बाढ़ का सामना कर रहे माली में मृतकों की संख्या अपेक्षाकृत कम है। गृहयुद्ध, गरीबी और विस्थापन से त्रस्त अफ्रीकी लोगों के लिए बाढ़ नया संकट बनकर आई है। वर्ल्ड मेट्रोलॉजिकल ऑर्गनाइजेशन (विश्व मौसम विज्ञान संगठन) के अनुसार, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में अफ्रीका की हिस्सेदारी भले ही कम हो, लेकिन अफ्रीका के लोग जलवायु परिवर्तन का भीषण नतीजा भुगत रहे हैं। हालांकि पर्यावरणविदों का कहना है कि नदियों के मुहाने पर किए गए निर्माण का खामियाजा भी अफ्रीकी भुगत रहे हैं।

अमेरिका के नॉर्थ कैरोलाइना में अतिवृष्टि से हाल में इमरजेंसी जैसे हालात बन गए, तो मध्य यूरोप भी अतिवृष्टि से तबाह हुआ। रोमानिया में मूसलाधार बारिश और बाढ़ से हजारों घर बर्बाद हो गए हैं, जबकि चेक रिपब्लिक में बिजली के संकट का सामना करना पड़ा। पोलैंड, स्लोवाकिया, हंगरी, जर्मनी और ऑस्ट्रिया भी बाढ़ का सामना कर रहे हैं। पर्यावरणविदों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण आने वाले दिनों में तूफान आने के मामले बढ़ने के आसार हैं।

उनका यह भी कहना है कि यागी जैसे तूफान जलवायु परिवर्तन के कारण ही मारक स्वरूप ले रहे हैं, क्योंकि समुद्र का गर्म होता जलस्तर ज्यादा ताकतवर हवाओं और भीषण वर्षा का कारण बन रहा है। अब हर साल लू के बढ़ते थपेड़े और मानसून में अतिवृष्टि जलवायु परिवर्तन के प्रत्यक्ष उदाहरण के रूप में हमारे सामने हैं। जाहिर है कि भारत समेत पूरी दुनिया को इससे निपटने के लिए गंभीरता से कदम उठाने होंगे।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

पशु कल्याण दिवस
रोहित कौशिक

जीवों पर मंडराता खतरा

हम सभी घरेलू और पालतू पशुओं का ध्यान रखते हैं। उनकी देखरेख के लिए हम हर संभव कोशिश करते हैं। दूसरी तरफ जंगलों और वनों में रहने वाले पशुओं को कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि इस प्रगतिशील दौर में भी विभिन्न वन्य जीवों पर खतरा मंडरा रहा है। बाघ, हाथी, गैंडा, शेर, तेंदुआ और हिरन के विभिन्न अंगों को प्राप्त करने के लिए अभी भी इन जीवों का शिकार जारी है। बाघों के शिकार को लेकर लगातार समाचार आते रहते हैं। कुछ समय पूर्व केरल में गर्भवती हथिनी की हत्या ने वन्य जीवों के प्रति हमारी बर्बर मानसिकता को उजागर किया था। भारत में पिछले कई सालों में सैकड़ों हाथी करंट से मारे जा चुके हैं। भारत में नर हाथी के दांत काफी महंगे बिकते हैं। पहले गिर अभयारण्य में शेरों की मौत के मामले में भी व्यवस्था की लापरवाही सामने आई थी। गैंडों का उनके सींग के लिए अवैध शिकार भी चिन्ता का विषय है। पहले असम के काजीरंगा नेशनल पार्क में एक सींग वाले दुर्लभ गैंडे के शिकार की अनेक घटनाएं प्रकाश में आई थीं। वैज्ञानिकों के अनुसार अंडमान-निकोबार में सुनामी जैसी आपदाएं, मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में बाधों का निर्माण, उत्तर भारत में खेती की जमीन में वृद्धि तथा वृक्षों का व्यावसायिक इस्तेमाल होने के कारण हमारे देश में तेजी से जंगलों का क्षरण हो रहा है। दरअसल जब वन्य जीवों का प्राकृतिक वास जंगल नष्ट होने लगता है तो वे अपने प्राकृतिक वास से बाहर निकल आते हैं और आस-पास स्थित खेतों एवं गांवों में घरेलू पशुओं और लोगों पर हमला बोलते हैं। इस तरह की घटनाओं के कारण वन्य जीवों के विरुद्ध गांव वालों का गुस्सा भी बढ़ता है और यह वन्य जीवों की हत्याओं के रूप में सामने आता है। यह मानव-वन्य जीव संघर्ष ही विभिन्न तौर-तरीकों से हमारे पारिस्थितिक तंत्र पर गहरा प्रभाव डालता है। इसके अतिरिक्त वन्य जीवों के विभिन्न अंग और खाल प्राप्त करने के लिए अनेक तस्कर इनकी हत्याएं भी करते हैं।

गौरतलब है कि संरक्षित वन्य क्षेत्रों में अनेक तरह की समस्याएं और विसंगतियां मौजूद हैं। अनेक लोग एवं घरेलू पशु संरक्षित वन्य क्षेत्रों के प्राकृतिक स्वरूप में व्यवधान उत्पन्न कर रहे हैं। कुछ संरक्षित वन्य क्षेत्रों से मुख्य सड़क एवं रेल लाइन भी गुजर रही हैं। इन परिस्थितियों के कारण भी वन्य जीवों के प्राकृतिक वास में व्यवधान उत्पन्न होता है। कुछ संरक्षित वन्य क्षेत्रों के आसपास मंदिर भी स्थापित हैं, जहां हर साल बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं। ये श्रद्धालु जहां एक ओर अभयारण्य में कूड़ा-कचरा फैलाते हैं, वहीं यहां से ईंधन की लकड़ी भी ले जाते हैं। इन सब गतिविधियों के कारण संरक्षित क्षेत्रों का प्राकृतिक स्वरूप तेजी से नष्ट हो रहा है। यही कारण है कि वन्य जीव मनुष्यों के विरुद्ध लगातार उग्र हो रहे हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि हम अभी तक प्रकृति के साथ जीने का सलीका नहीं सीख पाए हैं। हम वन्य जीवों के प्राकृतिक वास को सुरक्षित और संरक्षित करने के लिए भी गम्भीर नहीं हैं। इसी कारण है कि वन्य जीवों के गांवों और शहरों में घुसने की घटनाएं लगातार प्रकाश में आ रही हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि वन्य जीव इंसान के लालच की भेंट चढ़ रहे हैं। कई बार वन्य जीवों के खिलाफ होने वाले षड्यंत्र में वन विभाग के कर्मचारियों की मिलीभगत भी होती है। शिकारी वन्य जीवों के शरीर के विभिन्न हिस्सों को चीन के परम्परागत दवा उद्योग को भारी दाम पर बेचते हैं। दरअसल वन्य जीवों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकताओं में नहीं है। हमें यह समझना होगा कि जब हम वन्य जीवों का संरक्षण करते हैं तो उनके साथ-साथ दूसरे वन्य जीवों और पूरे पारिस्थितिक तंत्र का संरक्षण करते हैं। आज इन मुद्दों पर केवल फैशन के तौर पर ही बात होती है। वन्य जीवन को बचाने की इच्छा शक्ति न ही तो हमारे राजनेताओं में दिखाई देती है और न आम जनता में। वन्य जीवों को बचाने की किसी भी योजना में उस आदिवासी समाज का जिक्र कहीं नहीं होता है जो मुख्य रूप से वनों पर ही निर्भर है। जबकि वन्य जीवों को बचाने के लिए उन्हें वनों से बाहर पुनर्स्थापित करने की बात हमेशा कही जाती है। अब हमें एक ऐसी योजना विकसित करनी होगी, जिसमें वनों पर निर्भर आदिवासी समाज एवं वन्य जीव दोनों के बारे में ही सोचा जाए। इससे आदिवासी समाज वन्य जीवों को बचाने के लिए स्वयं आगे आएगा। अनेक जगहों पर संरक्षित क्षेत्रों में रह रहे आदिवासी संरक्षित क्षेत्रों से बाहर आने के लिए राजी हुए हैं, लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि उन्हें उचित मुआवजा नहीं मिल रहा है। इस तरह से वन्य जीव तथा आदिवासी दोनों ही अपने प्राकृतिक आवास के लिए तरस रहे हैं। आज जरूरत इस बात की है कि हम विभिन्न वन्य जीवों को बचाने के लिए तर्कसंगत तथा गम्भीर नीतियां बनाएं, नहीं तो वन्य जीवन पर मंडराता यह खतरा हमारे अस्तित्व के लिए भी संकट का कारण बन जाएगा।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

जन्म के साथ शुरू व मृत्यु के बाद यात्रा समाप्त

संकलित
दर्शन

शरीर में समाहित ऊर्जापुंज को आत्मा कहा गया है। यह आत्मा अनंत ऊर्जा अर्थात परमात्मा का एक अति सूक्ष्म अंशमात्र है। भौतिक जगत में रहते हुए यह भौतिक शरीर एक यात्री के सदृश होता है। शरीर के जन्म के साथ ही यात्रा प्रारंभ होती है एवं मृत्यु के उपरांत समाप्त हो जाती है। अर्थात भौतिक शरीर के लिए जीवन एक यात्रा के समतुल्य है। जन्म के साथ ही ऊर्जापुंज अर्थात आत्मा भौतिक शरीर से संयुक्त होकर उसकी यात्रा में सहयात्री की भूमिका का निर्वहन करने लगता है एवं मरणोपरांत स्वयं को यात्रा से अलग कर लेता है। यह कहा जा सकता है कि भौतिक शरीर की यात्रा का आदि और अंत स्पष्टतः ज्ञात होता है, परंतु ऊर्जापुंज जिसे आत्मा कहकर संबोधित किया जाता है, अपनी यात्रा के आदि और अंत से सर्वथा अपरिचित होता है। आत्मा की यात्रा कब और क्यों प्रारंभ हुई तथा कब और क्यों पूर्ण होगी? इन प्रश्नों का हल आज भी एक चुनौती के रूप में खड़ा है। ऊर्जापुंज अगणित भौतिक शरीरों की भौतिक यात्रा में सहयात्री की भूमिका को निभाता हुआ अपनी अनंत दिव्ययात्र को जारी रखता है। अर्थात आत्मा की इस अलौकिक यात्रा में अनंत लौकिक यात्राएं शामिल होती हैं। इस अलौकिक यात्रा के संबंध में केवल इतना ही कहा जा सकता है कि यह यात्रा अनंत से प्रारंभ होकर अनंत पर ही पूर्ण होगी, किंतु अनंत को परिभाषित करना भी असंभव है। अनंत को अज्ञात का पर्याय माना जा सकता है। प्रश्न यह उठता है कि इस अनंत गति को अनवरत जारी रखने के लिए आवश्यक बल किस स्रोत से प्राप्त होता है?

गुरु नानक जी के आशीर्वाद का रहस्य

संकलित
प्रेरणा

एक बार गुरु नानक देव जी अपने शिष्यों के साथ एक ऐसे गांव में पहुंचे जहां के लोग साधु-संन्यासी लोगों को बिल्कुल भी पसंद नहीं करते थे। गुरु नानक जी वहां गए तो उनसे भी वहां के लोगों ने ऐसा ही व्यवहार किया। जब वो परेशान होकर उस गांव से जाने लगे तो गांव के लोगों ने कहा कि, महात्माजी कुछ आशीर्वाद तो देते जाइए। गुरु नानक थोड़ी देर तक हंसते रहे फिर बोले, खूब आबाद रहो। इसके बाद वो आगे बढ़ गए। इस बीच कुछ गांव के लोग भागते हुए वहां पहुंचे। सभी उनकी सेवा करने लगे। उन्होंने फिर से गुरुनानक जी से आशीर्वाद मांगा। तब उन्होंने कहाः सभी उजड़ जाओ। गुरु नानक के ऐसे अटपटे आशीर्वाद से परेशान होकर एक व्यक्ति ने उनसे पूछाः महात्मा जी! जिन लोगों ने अतिथि धर्म का तिरस्कार किया उन्हें आपने आबाद रहने का और जो लोग आपकी सेवा में आए उन्हें उजड़ने का आशीर्वाद क्यों दिया। गुरु नानक जी ने उस व्यक्ति से कहा कि: सज्जन व्यक्ति जहां जाता है वो वहां अपनी अच्छाइयों को ले जाता है। यह दुर्जन से बेहतर होता है। इसलिए मैंने पहले जब वो दुर्जन थे तो उन्हें एक जगह आबाद रहने का आशीर्वाद दिया और जब वो सज्जन बन गए और मेरे पास आशीर्वाद लेने आए तो मैनें उन्हें उजड़ने यानी समाज में अच्छाई फैलाने का आशीर्वाद दिया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी: महात्मा गांधी के आदर्शों को आत्मसात करने वाले व्यक्ति

सुमित्रा गांधी कुलकर्णी,

(लेखिका महात्मा गांधी की पोती हैं)

मैंने अप्रैल 2024 में मतदान केंद्र पर जाकर अपना वोट डाला और जब जून 2024 में श्री नरेन्द्र मोदी तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री बने तो मुझे बहुत प्रसन्नता हुई। महात्मा गांधी या बापूजी जैसा कि मैं उन्हें बुलाती हूं, वह मेरे दादा थे। मैं उनके साथ 19 वर्ष की आयु तक रही, अब मैं 95 वर्ष की हो गई हूं और मुझे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की तुलना गांधीजी से करने और अपने विचारों को कलमबद्ध करने की आवश्यकता महसूस हो रही है। आने वाली पीढ़ियां गांधीजी के परिवार के उस सदस्य के विचार जानना चाहेंगी, जिन्हें वयस्क होने पर इन दोनों व्यक्तियों को जानने का करीबी से सौभाग्य प्राप्त हुआ।

मैंने अपने लंबे जीवनकाल में बहुत सारे नेताओं को जाना है, लेकिन नरेन्द्र भाई के साथ मेरा जुड़ाव असाधारण है। इसकी शुरूआत वर्ष 1975 के आपातकाल के चुनौतीपूर्ण दौर में हुई थी। हालांकि मुझे वास्तविक रूप से वह क्षण याद नहीं है, लेकिन नरेन्द्र भाई उस समय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के एक युवा और ऊर्जस्वी प्रचारक थे।

1970 के दशक में अलगाववाद देश के ताने-बाने को खा रहा था। गुजरात से राज्यसभा सदस्य के रूप में पाकिस्तान से भारी घुसपैठ के कारण सीमावर्ती जिलों में हो रहे जनसांख्यिकीय परिवर्तन से मैं बहुत चिंतित थी। असम में यह घुसपैठ बहुत ज्यादा थी। उस समय मेरी पार्टी कांग्रेस के किसी भी नेता ने इस मुद्दे को गंभीरता से नहीं लिया था। लेकिन मुझे अच्छी तरह याद है कि किस प्रकार नरेन्द्र भाई उस समय कम उम्र में भी ऐसे मामलों को गंभीरता से लेते थे। वह राष्ट्रीय मुद्दों के प्रति स्पष्ट रूप से प्रतिबद्ध थे और तत्कालीन राजनीतिक परिदृश्य ने उनका ध्यान इस मुद्दे से विचलित नहीं किया।

वह उन दिनों भी ग्रामीण महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों- व्यक्तिगत स्वच्छता; स्वच्छ पेयजल; प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल आदि से पूरी तरह परिचित थे। उन्होंने प्रधानमंत्री बनने के तुरंत बाद अनुकरणीय साहस का परिचय दिया और स्वतंत्रता दिवस के अपने संबोधन में राष्ट्रीय स्वच्छता की आवश्यकता को स्पष्ट किया। उन्होंने स्वच्छ भारत अभियान की नींव रखी, जिससे स्वच्छता में काफी सुधार हुआ और इसके साथ ही पूरे देश महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा भी बढ़ोतरी हुई। मेरे दादाजी जन आंदोलन में विश्वास करते थे, क्योंकि लोगों के इस प्रकार के आंदोलन स्थायी सामाजिक परिवर्तन का आधार है। नरेन्द्र भाई का सबका शब्द पर अटूट विश्वास है, जैसे कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और विकसित भारत। ये उनके लिए महज चर्चा करने वाले शब्द नहीं हैं, बल्कि उनके प्रेरक तत्व हैं। कोविड-19 महामारी के दौरान उनका मानवता सर्वप्रथम युक्त नेतृत्व देश की सीमाओं तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि इसने संपूर्ण विश्व को अपने दायरे में समाहित कर लिया। एक बार फिर उन्होंने धारा के विपरीत जाकर हमें अनुच्छेद 370 की घुटन भरी स्थिति से मुक्त किया। वह व्यवस्थित रूप से उस एजेंडे को पूरा कर रहे हैं, जिसे आजादी हासिल होने के बाद पूरा किया जाना चाहिए था। नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) इसका एक उदाहरण है।

सनातन धर्म की इस महान धरा पर अनेक गुरुओं- शिरडी के साईं नाथ, श्री रमण महर्षि आदि की आध्यात्मिक शक्ति से राजनीतिक स्वतंत्रता हासिल हुई और गांधीजी इसका नेतृत्व करने के साधन बने। यह कोई संयोग नहीं है कि दशकों बाद नरेन्द्र भाई हमें औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्त करने का माध्यम बन गए हैं। यह स्वतंत्रता का दूसरा संघर्ष है।

मेरे दादाजी हमेशा कहा करते थे, आप विश्व में जो परिवर्तन देखना चाहते हैं, वह पहले खुद से करें। एक आरएसएस कार्यकर्ता से लेकर भारत के प्रधानमंत्री तक नरेन्द्र भाई की यात्रा को करीब से देखने के बाद मैं बिना किसी दुविधा के कह सकती हूं कि नरेन्द्र मोदी उस बदलाव का साकार रूप हैं, जिसकी हम सभी अपने प्रिय देश में कामना करते रहे हैं।

यद्यपि मैं संतों की जीवनी में विश्वास नहीं करती हूं, लेकिन मुझे निष्पक्ष रहना चाहिए। बापूजी और नरेन्द्र भाई के बीच सबसे बड़ी समानता यह है कि उनका सार्वजनिक जीवन सनातन धर्म के आध्यात्मिक मूल से जुड़ा है। वे दोनों- स्थितप्रज्ञ हैं और प्रशंसा तथा आलोचना दोनों से ही उनका ध्यान अपने लक्ष्य के प्रति कभी नहीं डगमगाया है। ऐसा ही व्यक्ति जानता है कि अंततः सत्य की जीत होती है और इसलिए उसके रास्ते में धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा करने में कोई भी बाधा नहीं आती है। यह नरेन्द्र भाई की अपने राजनीतिक विरोधियों के लगातार हमलों के खिलाफ खामोशी की विशेषता को दशार्ता है। यह एक राजऋषि का लक्षण है।

हमारे शास्त्रों के अनुसार धर्म की पुनर्स्थापना से पहले हमेशा ही मंथन हुआ है और इस मंथन से पहली बार नकारात्मकता ही उत्पन्न होती है और ये नकारात्मक शक्तियां सत्य का विरोध करती हैं। अपने दैनिक जीवन में हम इस प्रकार की नकारात्मकता के साक्षी बनते हैं। राजनीतिक लाभ हासिल करने के लिए राष्ट्रीय हितों से भी समझौता किया जाता है। ऐसी परिस्थितियों में गरीबों और राष्ट्र हितों को सर्वोपरि रखने के लिए एक ऐसे व्यक्ति की जरूरत होती है, जिसकी सत्ता में पूर्णतः कोई रुचि न हो और जो भ्रष्टाचार से परे हो। इसलिए यह स्वीकार करना हमारा कर्तव्य है कि भले ही नरेन्द्र भाई ने जो प्रयास किए हैं, हम उन परिणामों का आनंद ले रहे हैं, लेकिन उन्हें उचित चुनावी जनादेश नहीं मिला, मगर वे इससे अप्रभावित हैं और चुपचाप अपना कर्तव्य निभा रहे हैं। मैं बिना किसी हिचकिचाहट के यह कहना चाहती हूं कि अगर आज बापूजी आज जीवित होते, तो वह नरेन्द्र भाई के बहुत बड़े समर्थक होते। बापूजी सबसे पहले वह व्यक्ति होते जो हमें उनके नाम का दुरुपयोग करने वाले बारे में चेतावनी देते और जिन्होंने अपने राजनीतिक लाभ के लिए हमें आपस में बांटने के लिए इसका दुरुपयोग करना अपने जीवन का मिशन बना लिया है।

मेरे दादाजी और नरेंद्र भाई के कई आलोचकों को यह जानकर आश्चर्य होगा कि नरेन्द्र भाई ने वास्तव में आधुनिक भारत के विकास एजेंडे में गांधीजी के आदर्शों को एकीकृत करके उन्हें फिर से जीवित किया है। राज्य की नीति के निर्देशक सिद्धांत देश की नीति बन गए हैं। ऐसा करके उन्होंने यह सुनिश्चित किया है कि गांधीजी की विरासत हमारी राष्ट्रीय सोच में प्रबल और निरंतर रूप से समाहित होती रहे।

मेरे दादाजी की तरह नरेन्द्र भाई को भी जन आकांक्षाओं की कसौटी पर खरा उतरना होगा। लेकिन जैसा कि भगवान कृष्ण ने अर्जुन को उपदेश दिया था कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अपना कर्म करो और उसका परिणाम सत्य पर छोड़ दो- जिसकी अंततः विजय होगी। मुझे विश्वास है कि इतिहास अंततः बापूजी और नरेन्द्र भाई दोनों के साथ न्याय करेगा।

जानकारी
शिखर चंद जैन

बच्चों, किसी पहाड़ की ऊंचाई से नीचे गिरते पानी को जलप्रपात यानी वाटर फॉल कहते हैं। ऊंचे पहाड़ से जब तीव्र आवेग के साथ पानी नीचे गिरता है तो यह दृश्य बहुत ही मनभावन लगता है। यहां हम तुम्हें दुनिया के कुछ ऐसे ही मनोरम जलप्रपातों के बारे में बता रहे हैं।

ये मनोरम जलप्रपात

विक्टोरिया फॉल्सः दुनिया के सात प्राकृतिक आश्चर्यों में से एक

जांबिया और जिंबाब्वे देशों की सीमा पर स्थित विक्टोरिया जलप्रपात दुनिया के सात प्राकृतिक आश्चर्यों में से एक है। जेंबेजी नदी का यह 1.7 किमी. चौड़ा जलप्रपात 108 मीटर की ऊंचाई से गिरता है। प्रपात के इर्द-गिर्द बसे जंगल में कई अनूठे जीव-जंतु पाए जाते हैं। बहुत ऊंचाई से नदी का पानी गिरते समय इसकी बूंदें धुएं जैसी लगती हैं, जो बहुत खूबसूरत दिखती हैं। *

नियाग्रा फॉल्सः तीन जलप्रपातों का समूह

न्यूयॉर्क (अमेरिका) और कनाडा की सीमा पर स्थित नियाग्रा फॉल्स वास्तव में तीन जलप्रपातों का समूह है- अमेरिकन फॉल्स, ब्राईजल वेल फॉल्स और हॉरशॉ फॉल्स। न्यूयॉर्क की इलेक्ट्रिक पावर का 10 फीसदी नियाग्रा फॉल्स से ही उत्पादन होता है। विशेषज्ञों के अनुसार यह जलप्रपात करीब 12,000 साल पुराना है। 1847 में यह एक बार पूरी तरह जम भी गया था, तब लोगों ने इस पर पैदल चलने का आनंद उठाया था। इसे देखने के लिए यहां हर साल करीब डेढ़ करोड़ पर्यटक आते हैं। *

एंजेल फॉल्सः दुनिया का सबसे ऊंचा जलप्रपात

दुनिया के सबसे ऊंचे जलप्रपात एंजेल फॉल्स की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसका पानी हवा में ही गुम हो जाता है। वेनेजुएला में स्थित यह प्रपात 979 मीटर ऊंचा है। यहां की चुरुम नदी से बना एंजेल फॉल्स नियाग्रा से 15 गुना ज्यादा ऊंचा है। बहुत ही ऊंचाई से गिरने की वजह से ही इसका काफी पानी तेज चलने वाली हवाओं के कारण सूक्ष्म बूंदों में तब्दील होकर हवा में ही गायब हो जाता है। *

इगुआजू फॉल्सः दुनिया का चौथा सर्वोत्तम-मनमोहक जलप्रपात

ब्राजील और अर्जेंटीना देशों की सीमा पर स्थित यह जलप्रपात अपनी खूबसूरती के लिए प्रसिद्ध है। इसकी ऊंचाई से ज्यादा इसका प्राकृतिक सौंदर्य लोगों को आकर्षित करता है। भले ही यह मात्र 89 मीटर ऊंचा है, पर इसे दुनिया के चौथे सर्वोत्तम और मनमोहक जलप्रपात का दर्जा दिया गया है। यह जलप्रपात 'यू' के आकार के एक चट्टान से गिरता है। लोग इसे 'डेविल्स थ्रोट' भी कहते है। इसकी एक और खास बात यह है कि इसमें इगुआजू नदी से निकलने वाले 275 से भी अधिक जलप्रपात मिले हुए हैं। *

अपसाइड डाउन फॉल्सः नजर आता है नीचे से ऊपर जाता पानी

हवाई द्वीप के कोनाहुआनुई पहाड़ से गिरने वाले इस प्रपात को देखकर लोग दांतों तले अंगुली दबा लेते हैं। बच्चों, इसके नाम से ही तुम्हें इसकी खासियत का अंदाजा लग गया होगा। दरअसल, इस प्रपात में पानी ऊपर से नीचे की ओर नहीं बल्कि नीचे से ऊपर की ओर जाता नजर आता है। इसकी वजह यह है कि जब नदी का पानी नीचे की ओर आता है तो मध्यभाग में चलने वाली तेज हवाएं इसका रुख ऊपर की ओर मोड़ देती हैं। *

नाची फॉल्सः जापान का सबसे बड़ा जलप्रपात

एशिया के सबसे प्रसिद्ध जलप्रपातों में से एक है नाची जलप्रपात। जापान के नाची पहाड़ से गिरने वाला यह प्रपात 48 अन्य जल प्रपातों का एक हिस्सा है। 400 फुट की ऊंचाई से गिरने वाला नाची फॉल्स, जापान का सबसे बड़ा जलप्रपात है। *

भारत के सुप्रसिद्ध जलप्रपात

बच्चों, दुनिया के अलग-अलग देशों में स्थित मशहूर जलप्रपातों के बारे में जानने के बाद अब अपने देश भारत के कुछ प्रसिद्ध, मनोरम जलप्रपातों के बारे में भी जानो-

दूधसागर प्रपातः गोआ और कर्नाटक की सीमा पर स्थित यह जल प्रपात भारत में सबसे ऊंचा माना जाता है। यहां पर्यटक आराम से तैर भी सकते हैं। 600 मीटर की ऊंचाई से गिरने वाला यह प्रपात घने जंगल के बीच है, जो पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है।

कुत्रालाम जल प्रपातः यह जल प्रपात तमिलनाडु में मदुरै से 160 किमी. की दूरी पर स्थित है। यह नौ जल प्रपातों से बना है। यह जलप्रपात दक्षिण भारत में 'स्पा' के नाम से भी मशहूर है। यहां औषधीय महत्व वाली जड़ी-बूटियों और वनस्पति की भरमार है।

मुथिया लामा डुबू प्रपातः पर्ल वैली के नाम से विख्यात कर्नाटक में बैंगलुरु से 5 किमी. दूर स्थित यह एक मशहूर पिकनिक स्पॉट है। यहां 92 मीटर की ऊंचाई से गिरने वाला झरना आस-पास की चट्टानों पर मोती जैसी बूंदें उत्पन्न करता है, इसलिए इसे पर्ल वैली भी कहते हैं।

चित्रकूट प्रपात : भारत का सबसे बड़ा जल प्रपात चित्रकूट छत्तीसगढ़ के बालर जिले के जगदलपुर से 38 किमी. पश्चिम की ओर स्थित है। यहां 100 मीटर की ऊंचाई से गिरने वाला पानी धुआं-सा लगता है। इंद्रावती नदी का यह प्रपात भारत के नियाग्रा के नाम से जाना जाता है। सूर्यास्त के वक्त नदी के पानी का रंग लालिमा से भर उठता है, जो पर्यटकों के मन को मोह लेता है। नीचे प्रताप के पानी में लोग नौकायन का भी आनंद उठाते हैं।

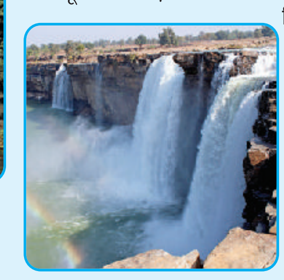

जीके क्विज-123

1. हाल ही में केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली की तीसरी महिला मुख्यमंत्री कौन बनी हैं?
2. देश के नए वायु सेना प्रमुख कौन बने हैं?
3. पिछले दिनों पहले अंतरराष्ट्रीय सौर महोत्सव का आयोजन कहां किया गया?
4. 'हिंद स्वराज' नामक पुस्तक किसकी रचना है?
5. शाहजहां किस मुगल शासक का पुत्र था?
6. उत्तराखंड की राजधानी का क्या नाम है?
7. भारत में कितनी भाषाओं को संवैधानिक दर्जा प्राप्त है?
8. इसरो का मुख्यालय (हेड क्वार्टर) कहां स्थित है?
9. किस एथलीट को ' फ्लाइंग सिख ऑफ इंडिया' नाम से जाना जाता था?
10. 'ब्लू सिटी' के नाम से भारत के किस शहर को जाना जाता है?

बच्चों, जीके क्विज-123 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे।

जीके क्विज-122 का उत्तर : 1.गोपाल कृष्ण गोखले, 2.दूसरा, 3.महात्मा गांधी, 4.लाल बहादुर शास्त्री, 5.भगत सिंह, 6.किएर स्टार्मर, 7.कोझिकोड, 8.जय शाह, 9.हैदराबाद-सिकंदराबाद, 10.राज्य सभा

जीके क्विज-122 का सही उत्तर देने वाले : चेतन-बालोद, सुधांशु-बिलासपुर, विष्णु-महेंद्रगढ़, गिरधर-ईमेल से, कबीर-हिसार, ओम प्रकाश-मानपुर, स्नेह लता-ईमेल से, वंशिका-भानपुरी, लविश-महासमुंद, तुलसी-भानपुरी, बी आकांक्षा-अहमदाबाद, बी ईशान-अहमदाबाद, दिव्यंका-रायपुर

हंसगुल्ले

कंप्यूटर टीचर : कंप्यूटर चलाने के लिए सबसे पहले सही ढंग से माउस पकड़ना आना चाहिए।
चिंटू : लेकिन सर, माउस को तो बिल्लियां पकड़ती हैं। **-रितेश, बिलासपुर**

मैथ्स टीचरः दो समानांतर रेखाएं एक-दूसरे को क्यों नहीं काटती हैं?
रोहन : सर, क्योंकि उनके दांत नहीं होते। **-दीपक, धमतरी**

टीचर : कल मैं सूरज पर लेक्चर दूंगी, तुम लोग क्लास मिस मत करना।
चिंटू : लेकिन मैं नहीं आ पाऊंगा मैम।
टीचर : क्यों?
चिंटू : मैम, मेरी मम्मी मुझे इतनी दूर नहीं जाने देंगी। **-अवनीश, रोहतक**

टीचर (सोनू से) : आज तुम देर से आने के लिए कौन-सा बहाना बनाकर आए हो?
सोनू : सर, इतनी तेज भागता हुआ आया हूं कि बहाना बनाने का टाइम ही नहीं मिला। **-मिष्टी, भोपाल**

कहानी
पवन कुमार वर्मा

रघु के अंगूर

रघु के खेत के अंगूर पक गए तो वह इन्हें बेचने निकला। पहले दिन उसने रेलवे स्टेशन के सामने अंगूर का ठेला लगाया। लेकिन उसके अंगूर नहीं बिके। लोग भाव पूछकर, दो-चार अंगूर खाकर चलते बनते। अगले दिन रघु ने अपनी पत्नी की सलाह पर जिस जगह अंगूर का ठेला लगाया, वहां देखते-देखते सारे अंगूर बिक गए। आखिर ऐसा कैसे हो गया?

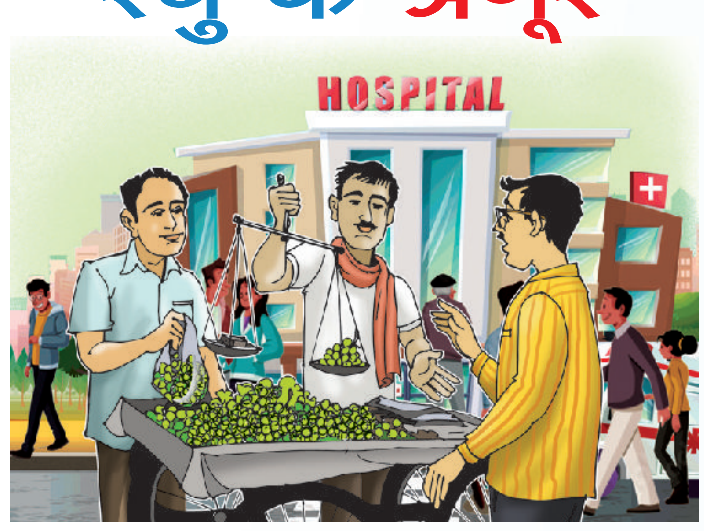

रघु ने अपने खेत में अंगूर के पेड़ लगा रखे थे। आस-पास के लोग रघु के अंगूर पर नजर गड़ाए हुए थे, कब पकें और वे मीठे अंगूर खाएं। इसी कारण रघु को अंगूर की रखवाली के लिए पूरी रात खेत में ही गुजारनी पड़ती थी। एक दिन वह भी आ गया, जब अंगूर पक कर बाजार में जाने को तैयार हो गए। रघु ने अपनी समझ के अनुसार अंगूर के गुच्छों को ठेले पर सजाया और बेचने के लिए निकल पड़ा। रघु समझ नहीं पा रहा था कि ठेले को कहां लगाए? वह ऐसी जगह अपना ठेला लगाना चाहता था, जहां से अंगूर झट-पट बिक जाएं। थोड़ा सोचने के बाद रघु को लगा कि उसे अपना ठेला रेलवे स्टेशन के सामने लगाना चाहिए। रेलगाड़ी से उतरने वाले बहुत से लोग अपने घर आते-जाते हैं। ऐसे में वे अपने घर वालों के लिए कुछ न कुछ खरीदते भी हैं। हो सकता है, उसके अंगूर भी खरीदें। यह सोचकर उसने अपना ठेला रेलवे-स्टेशन की ओर बढ़ा दिया।

'आओ भैया... लेकर जाओ रघु के मीठे अंगूर!' रघु जोर-जोर से आवाज देकर अपने अंगूर बेचने की कोशिश कर रहा था। तभी एक साहब ठेले के पास आए, अंगूर के चार दाने खाए और फिर रघु से पूछा, 'कैसे दिए भाई अंगूर?'

जैसे ही रघु ने अंगूर की कीमत बताई, वह नाक-भौंह सिकोड़ते हुए बोले, 'दाम बहुत ज्यादा हैं! और हां! अंगूर भी खट्टे हैं!' यह कहकर वह आगे बढ़ गए। वह साहब वहां से आगे बढ़े। एक समोसे-पकौड़े की दुकान पर रुके। वहां रखे समोसे खाए। समोसे भी ऐसे, जिसका स्वाद उड़ती हुई धूल और मक्खियां भी ले रही थीं। फिर बिना किसी मोल-भाव के पैसे चुकाए और चले गए।

पूरे दिन रघु के ठेले पर आने वाले लोग ऐसे ही थे। उसके ठेले पर आते, पहले तो अंगूर के दो-चार दाने खाते फिर अंगूर के दाम पूछते, अंगूर के खट्टे होने की बात कहते और आगे निकल जाते। 'ऐसे तो मेरी पूरी मेहनत बेकार चली जाएगी! लोग मुफ्त में अंगूर खाकर आगे बढ़ जाते हैं!' रघु बुदबुदाते हुए वहां से वापस घर की ओर चल पड़ा।

'कैसी रही अंगूर की बिक्री?' घर पहुंचते ही रघु की पत्नी ने उससे पूछा। उसने सारी बात पत्नी को बताई। सुनकर वह उदास हो गई।

'तब तो कल तुम्हें अपना ठेला कहीं और लगाना चाहिए!' पत्नी बोली।

'लेकिन कहां?' हर जगह तो ऐसा ही होगा! मैं झूठे ही इतनी मेहनत करता हूं! मुझे भी समोसे-पकौड़े की दुकान खोलनी चाहिए! लोग वहां कुछ नहीं देखते-पूछते! पूरे पैसे भी देते हैं।' रघु गुस्से में बोला।

'तभी बीमार भी पड़ते हैं!' रघु की पत्नी बोली।

'उसकी कौन चिंता करता है? जब अस्पताल जाते हैं, तब पता चलता है कि फल खाना क्यों जरूरी है?' रघु को आज बहुत गुस्सा आ रहा था।

'तब तो तुम्हें अपना ठेला अस्पताल के पास ही लगाना चाहिए! देखना! कल तुम खाली हाथ नहीं लौटोगे।' रघु की पत्नी हंसते हुए बोली।

'अरे! रहने दो! वहां भी यही होगा!' रघु उदास मन से बोला।

'तुम एक बार वहां जाकर तो देखो!' रघु की पत्नी ने उसका उत्साह बढ़ाया। थोड़ी ना-नुकुर के बाद रघु इसके लिए तैयार हो गया।

अगले दिन रघु अपना ठेला लेकर अस्पताल के सामने पहुंच गया। अभी वह अपना ठेला ठीक से लगा भी नहीं पाया था कि लोग उसके ठेले के सामने इकट्ठा होने लगे।

'कैसे दिए भाई अंगूर?' लोगों ने पूछा। उसके अंगूर धड़ा-धड़ बिकने लगे। एक बार तो रघु भी चौंक गया।

इतने में उसे वही साहब दिखाई पड़े, जो उसके अंगूर को खट्टा बताकर समोसे-पकौड़े की दुकान पर चले गए थे।

'अरे! तुम तो वही हो, जिसने कल स्टेशन पर अपना ठेला लगाया था!' उन्होंने रघु से कहा।

'जी! बस कल ही लगाया था! आप भी मेरे अंगूर खट्टे बताकर चले गए थे।' रघु मुस्कुराते हुए बोला। 'वहीं तो धोखा हो गया! अब इस अस्पताल में इलाज करा रहा हूं। डॉक्टर ने तेल-घी, पूड़ी-परांठे, समोसे-पकौड़े खाने पर प्रतिबंध लगा दिया है। अब तो फल ही खाना है। ...और हां! कल तुम्हारे अंगूर मीठे थे। मैंने तो समोसे की लालच में इन्हें खट्टा कह दिया था।' वह मुस्कुराते हुए रघु से बोले। देखते ही देखते रघु के सारे अंगूर बिक गए। 'काश! लोग स्वाद के चक्कर में उल्टी-सीधी और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक चीजें खाने के बजाय ऐसे ही स्वास्थ्यवर्धक फल खाते, तो फिर उन्हें अस्पताल आने की जरूरत ही क्यों पड़ती?' सारे अंगूर बिक जाने के बाद रघु बुदबुदाते हुए तेज चाल से घर की ओर चल पड़ा। उसे अगले दिन फिर आने की तैयारी भी तो करनी थी। *

कविता
इंद्रजीत कौशिक

पूरी खस्ता

मुझे खिला दो पूरी खस्ता
बंटी बोला, फेंक के बस्ता।
गिनकर खाऊंगा मैं चार
साथ में देना मुझे अचार।
मत करना अब आना-कानी
प्यार मुझे करती तुम नानी।
फिर सुनाना कोई कहानी
जिसमें न हो राजा-रानी।
जी भर कर पूरी खाऊंगा
उनकी गोद में सो जाऊंगा।
फिर आएंगे मीठे सपने
जिसमें मुझे मिलेंगे अपने।
हम करते पूरी से प्यार
खाकर के देखो एक बार।
कोई नहीं पूरी का सानी
सही कहा न मैंने नानी?

अंतर बताओ

बच्चों, यहां गिल्लू गिलहरी के दो चित्र दिए गए हैं। वैसे तो ये दोनों ही चित्र दिखने में एक जैसे हैं, लेकिन इनमें पांच अंतर हैं। तुम्हें पांच मिनट में ये पांच अंतर खोजने हैं। तो देर किस बात की, फटाफट ये पांच अंतर खोजो।

जो अलग है, उसे पहचानो

बच्चों, यहां तीन पंक्तियों में बैठे चार-चार मंकीज की फोटो दी गई हैं। हर पंक्ति में तीन मंकी बिल्कुल एक जैसे हैं, जबकि एक अलग है। तुमको हर पंक्ति में बाकियों से अलग उस मंकी को पहचानना है।

सही परछाई पहचानो

बच्चों, यहां बाईं तरफ डाल पर बैठे एक उल्लू का चित्र दिया गया है। दाईं तरफ चार परछाइयां भी दी गई हैं। ध्यान से देखकर बताओ कि उल्लू के चित्र की सही परछाई कौन-सी है?

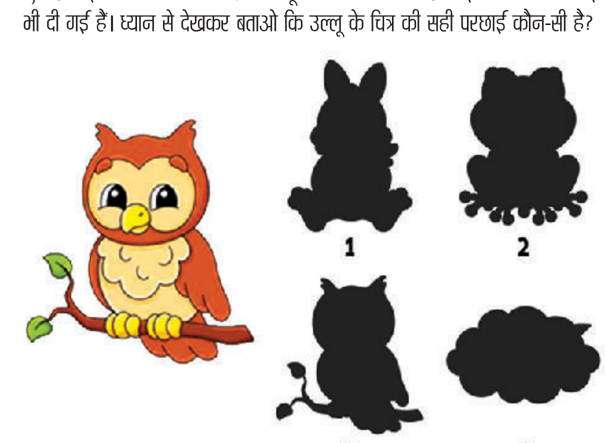

उसुर्लान हायर सेकेंडरी झींगो स्कूल में सरस्वती साइकिल वितरण 2024-25 का किया गया

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

राजपुर। बलरामपुर जिले के राजपुर ब्लॉक के ग्राम पंचायत झिंगो उसुर्लान हायर सेकेंडरी स्कूल झिंगो मे आज सरस्वती साइकिल वितरण किया गया। जिसमे मुख्य अतिथि, अनिता बेक जनपद पंचायत(अध्यक्ष), ग्राम पंचायत (सरपंच) इन्दीवती भगत, विशिष्ट अतिथि जगवंशी यादव (महामंत्री), अनिता बेक ने संबोधित करते हुए बच्चों को कहा की आने-जाने में बहुत ही आसान और सरल सुविधा होगी और समय पर उपस्थित होंगे स्कूल में पढ़ाई में मन अच्छा से लगेगा और घर भी जाने में भी कोई दिक्कत कोई परेशानी नहीं होगा इसलिए सरकार

के द्वारा जो सरस्वती साइकिल अभियान चलाया जा रहा है बहुत ही सराहनीय और मददगार रही है बच्चों की भविष्य को आगे बढ़ाने में बहुत ही योगदान रहेगा जब मैं भी पढ़ रही थी तो मैने भी साइकिल का लाभ अच्छी तरह से उठाई हु आप भी इसका भरपूर लाभ प्राप्त करे मै विश्वास करती हुं। इस तरह का बच्चों को उत्साह वर्धन किया। ग्राम पंचायत के सरपंच ने कहा की बच्चों की शिक्षा स्तर बहुत ही अच्छे से प्राप्त कर सकते हैं इसलिए की सरस्वती साइकिल समय पर आने जाने में मददगार होगी और इसका भरपूर लाभ बच्चे उठाएंगे आशा और विश्वास करती हूं सरकार का धन्यवाद आभार व्यक्त करती हुं। विशिष्ट अतिथि जगवंशी यादव (महामंत्री) ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार बहुत ही बच्चों के भविष्य के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। उस प्रयास में सफल हो रहे हैं बच्चे सरस्वती साइकिल को प्राप्त करके समय पर स्कूल जा रहे हैं। समय पर स्कूल से घर आ रहे हैं। इसलिए बहुत ही लाभ उठा रहे हैं। बच्चे इसलिए सरकार का धन्यवाद करता हूं। सरस्वती साइकिल वितरण में बच्चों के सभी अभिभावक भी उपस्थित रहे एवं टीचर्स एंव सिस्टर, कुछ शब्द सिस्टरों ने अभिभावकों एंव बच्चों को काहे की समय पर बच्चों को स्कूल भेजें और अच्छे शिक्षा प्राप्त करके अपने अपने भविष्य को स्वंर सके ऐसे कह कर संबोधित किया। एंव अतिथियों का और अभिभावकों का आभार व्यक्त किया।

भारतीय सेना की ताकत, जवानों का शौर्य हमें गौरवान्वित करता है : सीएम साय

मुख्यमंत्री ने किया भव्य सैन्य समारोह का शुभारंभ

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। भारतीय सेना की अद्वितीय शक्ति, शौर्य और क्षमता का शानदार प्रदर्शन आज साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित भव्य सशस्त्र सैन्य समारोह में किया गया। इस भव्य आयोजन का उद्घाटन छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया। सेना द्वारा विशेष स्वागत के रूप में मुख्यमंत्री को सैन्य जैकेट पहनाकर सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री साय ने इस सैन्य प्रदर्शनी के प्रति आम नागरिकों के उत्साह को देखते हुए इसे एक दिन और बढ़ाकर 7 अक्टूबर तक जारी रखने की घोषणा की। यह प्रदर्शनी प्रतिदिन सुबह 8 बजे से 10 बजे तक और शाम 6 बजे से रात 8 बजे तक खुलेगी।

समारोह में मुख्यमंत्री साय ने भारतीय सेना के करतबों और साहसिक प्रदर्शनों को देखकर गर्व और रोमांच व्यक्त किया। उन्होंने सेना की ताकत और अनुशासन की प्रशंसा करते हुए कहा, ₹हमारी सेना के वीर जवानों का शौर्य और अनुशासन हमें गौरवान्वित करता है। जब भी हम सेना की परेड या प्रदर्शन देखते हैं, हर भारतीय के दिल में देशभक्ति की भावना और मजबूत हो जाती है। इस प्रदर्शनी में प्रमुख सैन्य उपकरणों का प्रदर्शन किया जा रहा है, जिनमें टी-90 भीष्म टैंक, बीएमपी, एल-70 तोप, और अन्य अत्याधुनिक हथियार शामिल हैं। इसके साथ ही, पैरा जंपिंग, खुखरी डांस, डेयर डेविल मोटरसाइकलिंग और घुड़सवारी जैसे आकर्षक और साहसिक कार्यक्रम भी प्रदर्शनी का हिस्सा हैं, जिसने दर्शकों को रोमांचित कर दिया। मुख्यमंत्री ने अपने भाषण में सेना की आंतरिक सुरक्षा में भूमिका और प्राकृतिक आपदाओं में उनके सहयोग को भी सराहा। उन्होंने बस्तर क्षेत्र में सुरक्षा बलों द्वारा माओवादियों के खिलाफ की गई हालिया बड़ी सफलताओं की चर्चा करते हुए जवानों की बहादुरी की प्रशंसा की। उन्होंने बताया कि पिछले 9 महीनों में सुरक्षा बलों ने 191 माओवादियों को ढेर किया है, जो बस्तर में आ रहे सकारात्मक बदलाव का संकेत है।

पीएम मोदी ने जारी की प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 18वीं किस्त

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर । प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को महाराष्ट्र के वाशिम जिले से देश के लगभग 9 करोड़ 40 लाख से अधिक किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 18वीं किस्त के रूप में 20 हजार करोड़ रुपए से अधिक की राशि सीधे उनके खाते में अंतरित की। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राजधानी के साइंस कॉलेज मैदान से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के 18वीं किस्त के ऑनलाइन अंतरण कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल हुए। उन्होंने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के 18वीं किस्त के रूप में प्रदेश के 24 लाख 98 हजार से अधिक किसानों के खातों में 566 करोड़ 77 लाख रुपए से अधिक की राशि अंतरित होने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया।

परिक्षेत्र स्तरीय महिला बास्केटबॉल में के.आर कॉलेज रही विजेता..

बास्केटबॉल प्रतियोगिता में के आर टेक्निकल कॉलेज महिला वर्ग में विजेता

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ शासन व संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय सरगुजा अंबिकापुर के निदेर्शानुसार परिक्षेत्र स्तर महिला बास्केटबॉल प्रतियोगिता 2024 का आयोजन गांधी स्टेडियम में किया गया। इस आयोजन में सरगुजा संभाग के 07 महाविद्यालय ने भाग लिया। जिसमें के आर टेक्निकल कॉलेज की महिला बास्केटबॉल टीम क्रीड़ा अधिकारी श्री रजत सिंह और टीम मैनेजर श्रीमती जया सिरदार का मार्गदर्शन एवं निर्देशन अपनी सहभागिता दर्ज कर शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन मैचों में लगातार जीत

हासिल किया। फाइनल मैच में के आर टेक्निकल कॉलेज ने शासकीय राजमोहिनी देवी गर्ल्स पीजी कॉलेज अंबिकापुर को मात देकर बास्केटबॉल प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम किया। महिला टीम में प्रियंका पैंकरा, प्रिया जयसवाल, साक्षी तिर्की, रीना, फ्रांसिस्का, प्रीति, आरती खिलाड़ी शामिल थे। इस बड़ी उपलब्धि पर शासी निकाय के उपाध्यक्ष राहुल जैन, डायरेक्टर रीनू जैन, प्राचार्य डॉ. रितेश वर्मा, राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह एवं महाविद्यालय के समस्त सहायक प्राध्यापक ने सभी खिलाड़ियों को जीत के लिए हार्दिक बधाई दी।

बौद्धिक सम्पदा अधिकार विषय पर महाविद्यालय में हुआ सेमिनार

दी गई महत्वपूर्ण जानकारियां

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

वाड्रफनगर। शनिवार को यहां के रानी दुर्गावती शासकीय महाविद्यालय में एक दिवसीय बौद्धिक सम्पदा अधिकार₹ विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। उक्त सेमिनार में मुख्य वक्ता के रूप में शासकीय काकतीय पीजी कॉलेज जगदलपुर, बस्तर ग्रंथपाल डॉ. शोयब अंसारी मौजूद रहे। जिन्होंने कॉपीराईट, पेटेंट, ट्रेडमार्क, डिजाईन अधिकार एवं भौगोलिक संकेतक जैसे विषयों पर विस्तृत व्याख्यान दिया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के आईक्यूएसी प्रभारी डॉ. तोयज शुक्ला द्वारा किया गया। इस सेमिनार में ग्रंथपाल पंकज कुमार, अतिथि शिक्षक कु० रेणुका दिवान, डॉ. अनुराधा गुप्ता, कु० शालिनी कुजूर, सेमंत मिश्रा सहित महाविद्यालय के समस्त छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे, जिन्होंने व्याख्यान के माध्यम से महत्वपूर्ण जानकारियां अर्जित की।

भाकियू लोकशक्ति का ब्लाक में चौथे दिन भी धरना रहा जारी, नाराज किसानो ने जड़ा ताला

एसडीएम व एसीपी ने मौके पर पहुंचकर किसान नेताओ को मानने का प्रयास, मांगो के त्वरित निस्तारण पर अड़े किसानो ने धरना जारी रखने का फैसला

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

मोहनलालगंज। मोहनलालगंज ब्लाक में भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति अराजनैतिक के जिलाध्यक्ष धर्मेन्द्र वर्मा व तहसील अध्यक्ष हरिशचन्द्र वर्मा व ब्लाक अध्यक्ष रमेश कुमार प्रजापति के नेतृत्व में किसानो का चौथे दिन गुरूवार को भी धरना प्रदर्शन जारी रहा। किसानो ने आरोप लगाते हुये बताया एक साल पहले ब्लाक व तहसील से जुड़ी 47सूत्रीय मांगो का ज्ञापन देने के बाद भी तहसील व ब्लाक के लापरवाह अफसरो ने किसानो व जनहित से जुड़ी एक भी समस्या का निस्तारण नही कराया गया। धरना प्रदर्शन में किसी बड़े अफसर के ना पहुंचने से नाराज किसानो ने बीडीओ कार्यालय के मुख्य गेट पर ताला जड़ दिया ओर प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी करने लगे। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने किसान नेताओ को समझा बुझाकर कार्यालय का ताला खुलवाया। दोपहर बाद उपजिलाधिकारी बृजेश कुमार वर्मा व एसीपी रजनीश वर्मा समेत बीडीओ समेत अन्य अफसरो के साथ किसानो के बीच पहुंचकर मांगे पुरी करने का आश्वासन देते हुये धरना प्रदर्शन समाप्त करने की बात कही। लेकिन किसान ब्लाक व तहसील से जुड़ी 47मांगो के त्वरित निस्तारण के बाद ही धरना प्रदर्शन समाप्त करने की बात कही। घंटो की मान मनौव्वल के बाद भी एसडीएम व एसीपी किसानो का धरना प्रदर्शन समाप्त कराने में नाकाम रहे ओर वापस लौट गये। भाकियू लोकशक्ति के जिलाध्यक्ष धर्मेन्द्र वर्मा ने बताया किसानो व जनहित की समस्याओ का त्वरित निस्तारण ना होने तक धरना प्रदर्शन जारी रहेगा. एक साल से अफसर समाधान की बजाय कोरा आश्वासन दे रहे है, इस बार आश्वासन नही समस्याओ के समाधान के बाद ही धरना प्रदर्शन समाप्त होगा। भाकियू जिलाध्यक्ष धर्मेन्द्र वर्मा ने बताया नगराम के देवीखेड़ा के किसान सुनील कुमार की खतौनी में फर्जी नाम दर्ज कर दिया गया

बिना भेदभाव हर वर्ग को सशक्त बना रहे डॉ. राजेश्वर सिंह

10 दिव्यांगजनों को मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल, 10 मेधावियों को लैपटॉप व साइकिल तथा महिलाओं को प्रदान की सिलाई मशीनें

डॉ. राजेश्वर सिंह ने 10 दिव्यांगजनों को उपलब्ध कराई मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल, लैपटॉप और साइकिल देकर किया मेधावियों को सम्मानित

भाजपा द्वारा मनाए जा रहे सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत डॉ. राजेश्वर सिंह ने 10 मेधावियों को लैपटॉप और साइकिल प्रदान कर किया सम्मानित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सरोजनीनगर, लखनऊ। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने शुक्रवार को अपने आशियाना स्थित आवास पर

दिव्यांगजन, मातृशक्ति एवं छात्र - छात्राओं के सशक्तिकरण का कार्यक्रम आयोजित कर सेवा पखवाड़ा के तहत 5 मेधावियों सूर्यांश प्रताप सिंह (95.83%), कृष्णिका मिश्रा(95.4%), मानस त्रिवेदी (90%), उमेश मौर्या (88%), और शिवानी शुक्ला (87%) को लैपटॉप, 5 मेधावियों वैभव मिश्रा, हरीश रावत, अभिनव यादव, कृष्णा सिंह एवं तमन्ना सिंह को साइकिल प्रदान कर सम्मानित किया। इसके अलावा डॉ. राजेश्वर सिंह ने 10 दिव्यांगजनों मो. मेराज, मो. सादाब, विक्की सिंह, सुधीर अवस्थी, बबलू, कोमल पाल, लक्ष्मी नारायण, हरीश गुप्ता, रेनू यादव एवं राजकुमार गुप्ता को मोटराइज्ड प्रदान की।

मातृशक्ति के सशक्तिकरण और उन्हें स्वावलंबी बनाने के संकल्प क्रम में सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने कल्ली पश्चिम निवासी प्रतिभा पाण्डेय को ताराशक्ति केंद्र, मातृछाया एनजीओ लोनहा को 2 सिलाई एवं 1 पीको मशीन तथा श्वेता और शालिनी को सिलाई मशीन प्रदान की इसके साथ ही विधायक ने बड़ी संख्या में उपस्थित क्षेत्रवासियों की समस्याएँ सुनीं और उनके समाधान के लिए आश्वस्त भी किया। जन सुनवाई के लिए विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह लोगों के पास खु पहुंचे और उनकी समस्याएँ सुनीं व उनका प्रार्थनापत्र लिया। इस दौरान नगर निगम से सम्बंधित समस्याएँ के समाधान के लिए मंच पर लखनऊ महापौर सुषमा खर्कवाल भी मौजूद रही। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि युवाओं को प्रगति के अवसर दिलाना मेरी प्राथमिकता है। विधायक ने कहा आज हम सब उस पड़ाव पर हैं, जहाँ से आने वाली पीढ़ी को प्रेरित, प्रोत्साहित और सम्मानित कर सही दिशा दिखा सकते हैं। डॉ. सिंह ने आगे जोड़ा एक बच्चे और एक अविष्कार में वो क्षमता होती है जो देश दुनिया को बदल सकता है। इस अवसर पर डॉ. सिंह ने बताया कि सरोजनी नगर में अब तक एक हजार से अधिक मेधावियों को लैपटॉप और साइकिल देकर सम्मानित किया जा चुका है। मेधावियों को सम्मानित करने के लिए प्रत्येक रविवार को आपका विधायक - आपके द्वार जन सुनवाई शिविर आयोजित होता है, इसी शिविर के दौरान गाँव के 4 मेधावियों को भी सम्मानित किया जाता है।

महिला सशक्तिकरण पर बोलते हुए डॉ. सिंह ने आगे जोड़ा मातृशक्ति के करण देश और संस्कृति सुरक्षित है। सरोजनी नगर की महिलाओं ने स्वयं को आर्थिक आत्मनिर्भर और स्वावलंबी बनाने के लिए काम माँगा था जिस क्रम में तारा शक्ति केन्द्रों (सिलाई सेंटर) की स्थापना की गयी। आज 130 तारा शक्ति केंद्र स्थापित हो चुके हैं, ये केंद्र समग्र विकास केंद्र बन चुके, जहाँ महिलाओं को सरकारी योजनाओं की जानकारी भी मिल रही है। विधायक ने बताया सरोजनी नगर में इस तरह के 200 केंद्र स्थापित किये जायेंगे। डॉ. सिंह ने आगे जोड़ा सरोजनीनगर के वृद्धजनों के लिए पहले महीने में 1 बार रामरथ श्रवण अयोध्या यात्रा (बस सेवा) संचालित होती थी, अब महीने में दो बार यह सेवा संचालित होती है, जिसके माध्यम से 4500 से अधिक श्रद्धालुओं को अयोध्या दर्शन कराया जा चुका है।

किसान क्रेडिट एवं मुद्रा लोन मेला का आयोजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

नगराम। नगराम क्षेत्र के नबीनगर गांव में शुक्रवार को बैंक आफ इंडिया शाखा नगराम द्वारा किसान क्रेडिट कार्ड एवं मुद्रा लोन मेला का आयोजन किया गया। जिसमें शाखा प्रबंधक सुनील कुमार सिंह ने किसानों को क्रेडिट कार्ड लोन, मुद्रा लोन, भैंस लोन, बकरी पालन लोन, बाइक लोन, गोल्ड लोन लेने के लिए जागरूक किया और बैंक से सीधे सम्पर्क कर लोन लेने के साथ क्या क्या ब्याज दर बेहिचक जानकारी कर सकते हैं। बीच के बिचौलियों से न सम्पर्क करके सीधे बैंक से सम्पर्क किया करें। लोन मेला कार्यक्रम में उपस्थित एसकेवीके विजय कुमार मिश्रा, बैंक मित्र उमेश कुमार, किसान बृजकिशोर वर्मा, राम मोहन, सुनीता, श्रवन कुमार, मदन मोहन, ज्ञानेंद्र, शिल्पा, आशीष सहित काफी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

सहायक पुलिस आयुक्त ने गांव में चौपाल लगाकर ग्रामीण जनता को किया जागरूक

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

मोहनलालगंज लखनऊ, मोहनलालगंज निगोहाँ व नगराम थाना क्षेत्र में सहायक पुलिस आयुक्त रजनीश वर्मा लगातार थाना प्रभारियों के साथ मिलकर गांव गांव चौपाल लगा कर ग्रामीण जनता की समस्याओं को सुन रहे है साथ ही महत्वपूर्ण जानकारी देकर लोगों को जागरूक कर रहे है। शुक्रवार के दिन इसी क्रम में पुलिस उपायुक्त दक्षिणी केशव कुमार के निर्देशन में सहायक पुलिस आयुक्त मोहनलालगंज रजनीश वर्मा के नेतृत्व में प्रभारी निरीक्षक मोहनलालगंज आलोक राव द्वारा आयोजित ₹पुलिस आपके द्वार₹ अभियान के तहत ग्राम रायपुर कोड़रा में चौपाल लगाकर ग्राम रायपुर कोड़रा में चौपाल लगाकर ग्राम सभा में रहने वाले व्यक्तियों

की गोष्टी की गयी। जिसमें जनता व पुलिस के सम्बन्ध व विश्वास को सुदृढ करने हेतु सहायक पुलिस आयुक्त द्वारा निम्न बिन्दुओ पर चचाएँ की गईं सहायक पुलिस आयुक्त रजनीश वर्मा व थानाध्यक्ष अलोक राव द्वारा रायपुर कोड़रा गांव लगाई गईं सहायक पुलिस आयुक्त रजनीश वर्मा व थानाध्यक्ष अलोक राव द्वारा चौपाल में सभी व्यक्तियों से बताया गया कि रात्रि में जो भी ड्रोन उड़ते हुए नजर आते हैं वह सरकारी कार्य एवं सुरक्षा तथा एरिया डोमिनेशन के दृष्टिगत उड़ाया जा रहा है। किसी अपवाह पर ध्यान न दें और इसमें किसी व्यक्ति को डरने की आवश्यकता नहीं है। सभी से आग्रह किया गया कि सभी अपने मकानो और दुकानों में सीसीटीवी कैमरा अवश्य लगवाए इसके साथ ही महिला सम्बन्धी अपराध के सम्बन्ध में ग्रामीण लोगों को जागरूक किया गया और चौपाल में मौजूद सभी व्यक्तियों से यह बताया गया कि यदि किसी का जमीनी विवाद या राजस्व से सम्बन्धित कोई विवाद है तो थाना दिवस तहसील दिवस में उपस्थित होकर प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करें उसका शीघ्र निस्तारण व विधिक कार्यवाही की जायेगी इसके अलावा साइबर अपराध के सम्बन्ध में निम्न बिन्दुओ पर जागरूक किया गया जैसे कि संदेह वाले मेल या लिंक को इग्नोर करें और एटीएम पिन ओटीपी किसी व्यक्ति से साझा न करें और किसी कम्पनी के कस्टमर केयर नम्बर की आवश्यकता होने पर सिर्फ ऑफीशियल वेबसाइट से ही नम्बर प्राप्त करें इस बात का विशेष ध्यान दिया जाय कि बैंक कर्मचारी फोन पर डिटेल नहीं मांगते हैं यदि कोई व्यक्ति फोन करके आधार नम्बर या खाता नम्बर पूछ रहा है तो विवरण न दें और साइबर फ्रॉड हो जाने की स्थिति में तत्काल 1930 पर कॉल कर सूचना दर्ज कराये और ग्राम वासियों को यू.पी.सी.ओ.पी ऐप के सम्बन्ध में बताया गया

ट्रैक्टर-ट्राली की टक्कर से आटो पलटा, बुजुर्ग महिला की मौत

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

मोहनलालगंज। देईटीकर गांव निवासी सीमा ने बताया उसकी बेटी की शुक्रवार को मोहनलालगंज कस्बे में स्थित कालेबीर बाबा मंदिर में गोदभराई थी. देर शाम कार्यक्रम खत्म होने के बाद चचिया सास गुलाबो अपने पोते आर्यन व जलमावती निवासी देई टीकर थाना गोसाईगंज व दादी पार्वती (90वर्ष) व मां साधना, भाभी पिंकी निवासी मुल्लाखेड़ा थाना सुशांत गोल्फ सिटी आटो में बैठकर देईटीकर वापस जा रही थी जैसे ही आटो इंद्रजीतखेड़ा में स्थित पेट्रोल पंप के पास पहुंचा तभी तेज रफ्तार ट्रैक्टर ट्राली ने आटो में जोरदार टक्कर मार दी, टक्कर लगते ही आटो अनियंत्रित होकर पलट गया ओर उसमें सवार मायके व ससुराल पक्ष के सभी लोग घायल हो गये। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस सभी घायलो को इलाज के लिये मोहनलालगंज सीएचसी लेकर गयी, जहां डाक्टर ने बुजुर्ग महिला पार्वती को मृत घोषित कर दिया।

न्यायलय अनुविभागीय अधिकारी (रा०) भैयाथान, जिला सूरजपुर (छ०ग०)

- ईश्तहार :-

रा०प्र०क्र० /अ-2/2023-24

एतद् द्वारा आम ग्रामीण जन ग्राम पंचायत/नगर पंचायत/नगर पालिका परिषद को सूचित किया जाता है कि श्री राम कुमार पिता श्री रामअधीन? निवासी बिरमताल के द्वारा अपने स्वत्व एवं अधिपत्य की भूमि खसरा नं०152/5 रकबा 0.06 हे० जो ग्राम खडगवां प.ह.नं.10 रा०नि०मं० शिवप्रसाद नगर तहसील भैयाथान सूरजपुर में स्थित है के आवासीय भू-परिवर्तन (डायवर्सन) हेतु इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त संबंध में ग्राम पंचायत/नगर पंचायत/नगर पालिका निगम क्षे० खडगवां के किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा किसी विधिक प्रतिनिधि के माध्यम से प्रकरण में नियत दिनांक 08/10/2024 को न्यायालयीन समयावधि में उपस्थित होकर दावा/आपत्ति पेश कर सकता है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 20/09/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायलय की मुद्रा से जारी किया गया है।

अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
भैयाथान जिला-सूरजपुर (छ0ग0)

न्यायलय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)

रा.प्र.क्र. ब/121 वर्ष

ग्राम प.ह.न. 13

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक जयकरण पिता रामबक्स जाति कोइरी निवासी ग्राम भैयाथान प.ह.न. 13 रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के चाचा स्व० रामचन्दर का मृत्यु दिनांक 20/04/2009 को ग्राम भैयाथान में हुई है, अज्ञानतावश मृत्यु पंजीयन नहीं करा पाया है। आवेदक अपने चाचा स्व० रामचन्दर का मृत्यु पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत भैयाथान को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 26/09/2024 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के वाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 12/09/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)

रामानुजनगर मा.शा. में किया गया वीरगाथा 4.0 का आयोजन

कार्यक्रम में उत्साह से शामिल हुए बच्चे

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। वीरगाथा चार का आयोजन कलेक्टर रोहित व्यास एवं जिला शिक्षा अधिकारी राम ललित पटेल के आदेशानुसार जिले के सभी विद्यालयों में किया गया। उक्त कार्यक्रम का विकासखण्ड रामानुजनगर के माध्यमिक शाला पतरापाली में भी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सभी छात्रों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। 45 छात्रों ने कविता, कहानी एवं निबन्ध तथा 40 छात्रों ने चित्रकला प्रतियोगिता में भाग लिया। कार्यक्रम प्रभारी योगेश साहू ने बताया कि वीरगाथा 4.0 मिशन का उद्देश्य देश के वीरों के जीवन एवं बलिदान की कहानियों के जरिए विद्यार्थियों में बहादुरी और देश प्रेम की भावना को जागृत करना है। इस प्रोजेक्ट के माध्यम से विद्यार्थियों को देश के वीरों के जीवन और बलिदान के बारे में जानने का अवसर मिलेगा। साथ ही उनमें बहादुरी और देश प्रेम की भावना को जागृत किया जा सकेगा। इस कार्यक्रम के तहत, छात्रों को वीरता पुरस्कार पाने वाले सैनिकों पर प्रोजेक्ट तैयार जैसे कविता, निबंध, कहानी, पेंटिंग, ड्राइंग, जैसी गतिविधियों में हिस्सा लेना है। तत्पश्चात छात्रों का रजिस्ट्रेशन कर चार बेहतरीन प्रविष्टियों को माय गव पोर्टल पर अपलोड किया गया। कार्यक्रम में प्रधानपाठक बी.आर. हितकर, जी डी सिंह, महेन्द्र पटेल, के के यादव, अनिता सिंह, योगेश साहू, रघुनाथ जायसवाल, सरीता सिंह सहित छात्र छात्राये मौजूद थे।

अपूर्ण पीएम आवास पर सख्त हुए कलेक्टर ने सम्बन्धितों को जमकर लगाई फटकार

0 लापरवाही पर जिम्मेदारो के खिलाफ दिए कार्यवाही के निर्देश
0 कलेक्टर ने ली जिला पंचायत की मासिक समीक्षा बैठक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शनिवार को यहां जिला पंचायत सभाकक्ष में कलेक्टर रोहित व्यास ने जिला पंचायत की मासिक समीक्षा बैठक ली। इस दौरान उन्होंने पीएम आवास योजना, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण, मनरेगा आदि के अंतर्गत कार्यों की समीक्षा की। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ, सर्व जनपद सीईओ तथा जिला पंचायत के सभी अधिकारी, अभियंता एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

बैठक के दौरान कलेक्टर श्री व्यास ने केंद्र सरकार की फ्लैगशिप योजना प्रधानमंत्री आवास योजना को शत प्रतिशत रूप में लागू करवाने के लिए अधिकारियों एवं कर्मचारियों से चर्चा की। चर्चा के दौरान श्री व्यास ने प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत हो रहे निर्माण कार्यों, निर्माणाधीन आवासों और समय पर पूर्ण न होने वाले आवासों के संबंध में जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने जो आवास समय पर पूर्ण नहीं हुए हैं उनको लेकर सख्त नाराजगी व्यक्त तथा सभी आवासों को समयसीमा में पूर्ण करने के लिए कहा। समीक्षा बैठक में कलेक्टर द्वारा जनपदवार किए गए समीक्षा में जहां अपेक्षित उपलब्धि नहीं मिली है वहां शीघ्र लक्ष्य पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा उन्होंने जिन लोगों के आवास निर्माण में समस्या आ रही है उसकी जानकारी जनपद पंचायतों को शीघ्र उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। आवास पूर्णता को लेकर समस्त तकनीकी सहायकों एवं आर ई एस अभियंताओं एवं संबंधित लोगों से चर्चा करते हुए लापरवाही के लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्यवाही करने के निर्देश दिए

है। इसके लिए उन्होंने सभी अधिकारियो एवं कर्मचारियों को मिलकर कार्य पूर्ण करने को कहा। कलेक्टर ने मनरेगा अंतर्गत हो रहे निर्माण कार्यों और विगत पूर्ण कार्यों को लेकर समीक्षा की। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण की समीक्षा करते हुए उन्होंने इसके अंतर्गत सभी गतिविधियों पूरी तन्मयता के साथ करने को कहा। उन्होंने कहा कि स्वच्छता रखना व्यवहार परिवर्तन का विषय है इसके लिए इस योजना से जुड़े सभी अधिकारी कर्मचारी को निरंतर प्रयास करना होगा। उन्होंने स्वच्छता को बनाए रखने के लिए विशेष रूप से जागरूकता कार्यक्रम को लागू करने के लिए कहा। ग्राम के गड्ढों को भरना, कूड़े का निपटान, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन शेड निर्माण, सभी घरों से निकलने वाले गंदे पानी का निपटान, डोर टू डोर कचरा संग्रहण, व्यक्तिगत और सामुदायिक शौचालय निर्माण , श्रमदान के माध्यम से स्वच्छता अभियान चलाने जैसे कार्य कर सभी ग्रामो में समुचित रूप से विजिबल क्लीनलीनेस सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने स्वच्छग्रहियों एवं उनके परिवारों को विभिन्न शासकीय योजनाओं से शत प्रतिशत रूप में लाभान्वित करने के निर्देश दिए। बैठक में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के समीक्षा के दौरान उन्होंने इस योजना के माध्यम से चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों को निचले स्तर तक पहुंचाने तथा ग्रामीण महिलाओं को आजीविका के रूप में आत्म निर्भर बनाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। इसके लिए उन्होंने एनआरएलएम से शत प्रतिशत रूप में हितग्राही महिलाओं को जोड़ने के निर्देश दिए। इसके लिए व्यापक कार्ययोजना बनाकर योजना को लागू करने के निर्देश कलेक्टर श्री व्यास द्वारा दिए गए।

इसके अलावा श्री व्यास ने जीवन ज्योति बीमा योजना, मुद्रा लोन योजना, आयुष्मान भारत योजना एवं अटल पेंशन योजना, जल जीवन मिशन एवं ग्रामीण विकास की अन्य विभिन्न योजनाओं की समीक्षा कर आवश्यक दिशानिर्देश दिए।

निधन-राम प्रसाद गुप्ता

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। नगर के वार्ड क्र 7 के प्रतिष्ठित नागरिक राम प्रसाद गुप्ता का शनिवार शाम को निधन हो गया। वे कुछ दिनों से अस्वस्थ थे और शनिवार को उन्होंने अपने निवास में अंतिम सांसे ली। जिनका अंतिम संस्कार आज रविवार को सुबह मुक्तिधाम में किया जाएगा।

स्व श्री गुप्ता दुर्गा प्रसाद गुप्ता, लिल्लू के पिता, विजय गुप्ता, जवाहर गुप्ता के भाई व गिरधारी लाल गुप्ता, पुरुषोत्तम गुप्ता, नरेंद्र गुप्ता एवं सुभाष गुप्ता गुलाब गुप्ता के बड़े पिताश्री थे।

नगर के मुदित जैन ने पुणे में क़ायम की समाज सेवा की मिसाल

0 हजारों जरूरतमंदो तक पहुंचाया भोजन 0 एक साल की मेहनत से पुणे जैसे बड़े शहर में बनी पहचान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। नगर के समाजसेवी श्रवण जैन के पुत्र मुदित जैन जो कि पुणे की एमआईटी डब्ल्यूपीयू स्कूल ऑफ बिजनेस में बीबीए इंटरनेशनल बिजनेस के तीसरे वर्ष के छात्र हैं उन्होंने पुणे में *मिशन नेकी, एक सामाजिक पहल और नवाचार एनजीओ* की स्थापना कर भूखे लोगों तक भोजन पहुंचाने का कार्य प्रारम्भ किया। पिछले एक साल में, मिशन नेकी ने अपने प्रभाव को बढ़ाने के लिए रॉबिन हुड आर्मी के साथ सहयोग करते हुए, यूनेस्को के लक्ष्यों के साथ सक्रिय रूप से अपने प्रयासों को जोड़ा है। इस साझेदारी के माध्यम से, मुदित जैन ने केवल 6 महीने में 100 भोजन दान ड्राइव को सफलतापूर्वक आयोजित और पूरा किया है। इस अभियान के तहत मुदित उन लोगों से संपर्क करते हैं जिनके पास बचा हुआ भोजन है फिर उसे इकट्ठा कर भूखे लोगों में बांट देते हैं। उन्होंने समाज में भूख के खिलाफ लड़ाई में महत्वपूर्ण योगदान देते हुए 8,674 लोगों को भोजन दान किया। इस पहल में

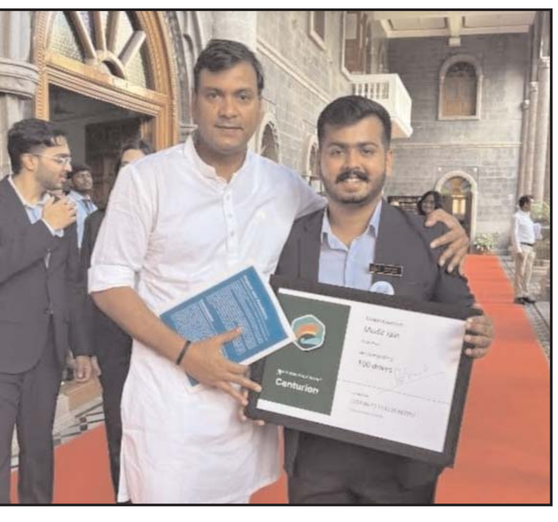

उनका नेतृत्व महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दों तथा सामाजिक जिम्मेदारी और नवाचार के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उनके इस कार्य की सराहना युनेस्को एवं रोबिन हुड आर्मी के सदस्यों ने करते हुये उन्हें सम्मानित किया है।

आधे अधूरे कार्य व सरपंच सचिव पर भ्रष्टाचार का आरोप

कार्यवाही की मांग, हड़ताल पर बैठे खैरा पंचायत के ग्रामीण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के दूरस्थ क्षेत्र चांदनी बिहारपुर के खैरा पंचायत में ग्रामीण सरपंच व सचिव पर भ्रष्टाचार व मनमानी का आरोप लगा कर अनिश्चितकालीन मुख हड़ताल में बैठ गये हैं। खैरा के ग्रामीणों का सरपंच व सचिव पर आरोप है कि गांव में किये गए चबूतरा, शौचालय, नाली और सबसे महत्वपूर्ण पुलिया निर्माण के कार्य इनकी उदासीनता के कारण अधूरे पड़े हुए हैं। आरोप तो यह भी है कि उक्त कार्य की राशि आहरित कर सरपंच सचिव डकार गए है और आधे अधूरे निर्माण कार्य के साथ ग्रामीणों की मजदूरी

भुगतान सहित कई प्रकार की भुगतान राशि सम्बन्धितों को नहीं दी गई है। जिससे वे काफी परेशान है। उक्ताशय की शिकायत आला अधिकारियों से भी की जा चुकी है। परंतु सम्बन्धित अधिकारियों के द्वारा कारवाही नहीं किये जाने से ग्रामीणों में आक्रोश की स्थिति है और कार्यवाही की मांग को लेकर मजबूरन ग्रामीणों को अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठना पड़ा हैं। ग्रामीणों का तो आरोप यह भी है कि कई बार उच्च अधिकारियो से शिकायत के बाद भी सुनवाई नहीं होना अधिकारियों की भी संलिप्तता दर्शा रही है। ग्रामीणों ने बताया कि जब तक उनका भुगतान नहीं होता है और मांगे पूरी नहीं होती है तब तक हड़ताल खत्म नहीं करेंगे।

अग्र समाज कर रहा मानवीय मूल्यों के कर्त्तव्यों का बखूबी निर्वहन : लक्ष्मी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। अग्रोहा भवन में आयोजित अग्रसेन जयंती समारोह के समापन अवसर पर पुरस्कार वितरण कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि व्यापार और जन सेवा के लिए अग्रवाल समाज एक मिसाल है। जिसका अनुसरण अन्य समाज को भी करना चाहिए। श्रीमती राजवाड़े ने सामाजिक परिदृश्य में कहा कि एकता, भाई चारे के साथ अग्र समाज व्यापार में तो सिरमौर है ही, साथ ही मानवीय मूल्यों के कर्त्तव्यों का निर्वहन भी बखूबी रूप से समाज कर रहा है। इस दौरान कार्यक्रम में अति विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी व पूर्व पापुनि अध्यक्ष भीमसेन अग्रवाल भी मंचासीन थे। समारोह का शुभारंभ अग्रवाल सभा के अध्यक्ष अमृतलाल अग्रवाल ने स्वगत उद्बोधन और समाज के वृत्त से प्रारंभ किया। सचिव राजेश महलवाला ने अग्रसेन जयंती के परिपेक्षय में अपनी बातें रखते हुए अतिथियों का स्वागत किया। इस दौरान अग्रवाल सभा के अध्यक्ष अमृत लाल अग्रवाल, सचिव राजेश महलवाला, कोषाध्यक्ष सुशील गोयल, महिला मण्डल की अध्यक्ष लता गोयल व नवयुवक समिति के अध्यक्ष गौरिश जिंदल मंचासीन थे। समारोह में मंत्री श्रीमती राजवाड़े व विधायक भूलन सिंह मरावी व तथा भीमसेन अग्रवाल ने एक सप्ताह से चल रही विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजयी प्रतियोगियों को पुरस्कृत करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। वहीं समाज के गौरवशाली परंपरा के अनुरूप समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं व प्रतियोगी व प्रतिष्ठित परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करने एवं खेलकूद में राज्य स्तर पर प्रतिनिधित्व करने वालों को भी अग्रसम्मान से सम्मानित किया गया। जिसका संचालन हिमांशु अग्रवाल के द्वारा किया गया। इसके पूर्व मंचासीन अतिथियों का अग्रवाल सभा महिला मण्डल व नव युवक समिति के पदाधिकारियों ने पुष्प गुच्छ से स्वागत व अभिनंदन किया। विधायक भूलन सिंह मरावी ने अग्रसेन महाराज को नमन करते हुए कहा कि आज अग्रवाल समाज हर क्षेत्र में आगे है। अपने बुद्धि, बल से समाज के लोगों ने एक अलग पहचान बनाई है। उन्होंने उपस्थित जन समूह को अग्रसेन जयंती की बधाई दी। वहीं पूर्व पापुनि अध्यक्ष भीमसेन अग्रवाल ने सामाजिक रूप से बढ़ती कुरीतियों पर कटाक्ष किया और उन्होंने आह्वान किया कि सामाजिक स्तर पर इन पर रोक लगना आवश्यक है। जयंती के कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री अग्रवाल सभा अग्रवाल महिला मण्डल, अग्रवाल नवयुवक समिति, अग्रवाल महिला सम्मेलन, मारवाड़ी युवा मंच, संस्कृति शाखा, अग्रवाल सेवा समिति के सदस्य व पदाधिकारी

सक्रिय थे। वहीं दूसरी ओर अग्रसेन भवन में विगत एक सप्ताह से आयोजित प्रतियोगिताओ का पुरस्कार वितरण एवं समापन समारोह के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के छत्तीसगढ़ प्रांत के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं संभागीय अग्रवाल सभा के पूर्व महामंत्री, अग्रवाल सभा अम्बिकापुर के पूर्व अध्यक्ष कृष्ण कुमार अग्रवाल थे। उन्होंने समापन समारोह का अग्रसेन महाराज की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण किए। इस दौरान आयोजित सभा को उन्होंने संबोधित करते हुए अग्रवाल समाज सूरजपुर के द्वारा किए जाने वाले विभिन्न सामाजिक एवं रचनात्मक कार्यों की प्रशंसा करते हुए समाज की एकजुटता की भूरि भूरि प्रशंसा की। उन्होंने बच्चों को बाहर पढ़ने जाने के इस दौर में उन्हें संस्कार एवं सामाजिक शिक्षा भी देने की अपील की। इस दौरान अग्रसेन समिति भैयाथान रोड के अध्यक्ष रामअवतार अग्रवाल, सचिव कृष्ण कुमार बंसल, कोषाध्यक्ष बाबूलाल मित्तल, संरक्षक पवन मित्तल एवं सुरेन्द्र जैन मंचासीन थे। कार्यक्रम का संचालन मुकेश गर्ग एवं आभार प्रदर्शन जयंती समारोह के अध्यक्ष सुमित अग्रवाल ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में अग्रसेन जयंती समारोह के सुमित अग्रवाल, अमन बंसल, नितिन मित्तल, सुमित मित्तल, अनुज गर्ग, दीपेश गर्ग, रजत मित्तल, दीपेश बंसल, हर्ष बंसल, प्रथम जैन सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता सक्रिय थे।

अग्रसेन जयंती पर निकली भव्य शोभायात्रा

अग्रसेन जयंती के अवसर पर अग्रवाल समाज के द्वारा अग्रोहा भवन से विशाल शोभा यात्रा निकाली गई। जिसमें अग्रसेन जी के 18 पुत्रों के स्वरूप 18 गोत्र की झांकी के साथ महाराजा अग्रसेन जी के स्वरूप बालक रथ पर सवार थे। वहीं छत्तीसगढ़ के पारंपरिक धुमाल बैण्ड सहित बजरंग बली की झांकी भी पूरे शोभा यात्रा में आकर्षण का केन्द्र थी। शोभा यात्रा के दौरान केतका रोड में महलवाला परिवार, मुख्य मार्ग में राधे श्याम संजय केजरीवाल व भैयाथान रोड में अमृतलाल अंकुर गर्ग के द्वारा जल-पान की व्यवस्था की गई थी और बड़ी संख्या में पुरूष, महिलाएं, युवा व बच्चे यात्रा में शामिल थे।

गंगा आरती में उमड़ा नसैलाब

अग्रवाल सभा व नवयुवक समिति के द्वारा यहां अग्रसेन चौक पर बनारस की प्रसिद्ध व अलौकिक भव्य गंगा आरती का आयोजन किया गया। अग्रसेन चौक में बनारस से आये ब्राम्हणों के द्वारा भव्यगंगा आरती का विहंगम दृश्य नगरवासियों को देखने को मिला और बड़ी तादाद में नगर के लोग भी गंगा आरती में सम्मिलित हुए। शोभा यात्रा व गंगा आरती के दौरान पुलिस व प्रशासन की चाक-चौबंद व्यवस्था के बीच नवरात्र के पहले दिन अग्रसेन जयंती के अवसर पर भव्य आयोजन संपन्न हुआ। आयोजन को सफल बनाने में अग्रवाल सभा, नवयुवक समिति व महिला मण्डल के पदाधिकारी व सदस्य सक्रिय थे।

(नियम 11 देखिए)

कार्यालय कलेक्टर बलरामपुर-रामानुजगंज एवं पदेन उप सचिव, छत्तसीगढ़ शासन
राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

अधिसूचना

बलरामपुर, दिनांक 28.08.2024

क्रमांक/6262/भू-अर्जन/2024 :: भूमि अर्जन, पुनर्वासन एवं पुर्नव्यवस्थापन में उचित प्रतिकर तथा पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 4 सहपठित नियम 7 के अन्तर्गत नीचे अनुसूची में उल्लिखित भूमि का अर्जन लोक प्रयोजन हेतु राज्य सरकार द्वारा आशयित है, अर्थात :-

जिला	तहसील	ग्राम/नगर	क्षेत्रफल		लोक प्रयोजन का विवरण
			एकड़ में	हेक्टेयर में	
बलरामपुर रामानुजगंज	कुसमी	जिगनिया	-	3.326	बेलनाला व्यवपर्तन योजना ग्राम-जिगनिया, लेफुआटोली जिरहुल, करकली, पश्चिम मोतीनगर
		लेफुआटोली	-	2.015	
		जिरहुल	-	2.162	
		करकली	-	4.370	
		पश्चिम मोतीनगर	-	3.798	
			-	15.971 हे.	

उपरोक्त उल्लिखित भूमि के अर्जन हेतु सामाजिक समाघात निर्धारण के अध्ययन हेतु जन सुनवाई दिनांक 09.10.2024 को समय 11.00 बजे ग्राम पंचायत भवन जिरहुल पर नियत की गयी है। प्रस्तावित भूमि अर्जन का अन्य विवरण निम्नानुसार है :-

(एक) लोक प्रयोजन, का संक्षिप्त विवरण :- भंवरमाल जलाशय के मुख्य नगर निर्माण हेतु भ-अर्जन
(दो) प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित परिवारों की संख्या :- खातेदार
(तीन) अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित की संख्या :- निरंक
(चार) प्रभावित क्षेत्र में निजी मकानों तथा अन्य परिसम्पत्तियों की अनुमानित संख्या :- नग पक्का कुआं, नग वृक्ष
(पांच) प्रभावित क्षेत्र में शासकीय मकान तथा अन्यपरिसम्पत्तियों की अनुमानित संख्या :- निरंक
(छः) क्या प्रस्तावित अर्जन न्यूनतम है? :- हां
(सात) क्या संभव विकल्पों और इसकी साध्यता पर विचार कर लिया गया है ? :- हां
(आठ) परियोजना की कुल लागत :- 1662.73 लाख
(नौ) परियोजना से होने वाले लाभ :- बेलनाला व्यपवर्तन योजना से 500 हे. खरीफ एवं 150 हे. रबी की सिंचाई कुल 650 हे. फसलों की सिंचाई की जा सकेगी। ग्राम बुलगांव के स्थानीय व्यक्तियों को सिंचाई की सुविधा प्राप्त होगी।
(दस) प्रस्तावित सामाजिक समाघात की प्रतिपूर्ति के लिए उपाय तथा इस पर होने वाला संभावित व्यय :- भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुर्नव्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 के अनुसूची 2 में दर्शायी गयी तथा समय-समय पर छ.ग. शासन द्वारा बताये गये उपाय का अनुपालन किया जायेगा। संभावित व्यय राशि रू. 5,00,000/- (पांच लाख रूपये मात्र) या वास्तवित व्यय जो भी अधिक हो।
(11) परियोजना द्वारा प्रभावित होने वाले अन्य घटक :- निरंक

उपरोक्त भूमि अर्जन के संबंध में किसी व्यक्ति/संस्था या अन्य किसी व्यक्ति को कोई जानकारी/सुझाव देना हो तो विहित तिथि/समय एवं स्थान पर दी जा सकेगी।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार

भू-अर्जन अधिकारी
जिला : बलरामपुर-रामानुजगंज

(रिमिजियुस एक्का)
कलेक्टर
एवं पदेन संयुक्त सचिव, छ.ग. शासन
राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग
जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)

जी-242502969/1

सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया
Central Bank of India
1911 से आपके लिए "केंद्रित" "CENTRAL" TO YOU SINCE 1911

क्षेत्रीय कार्यालय , धंजल कोम्प्लेक्स, रिंग रोड, नमनाकला, अंबिकापुर, छ. ग. (497001)

RO/RD/2024-25/ 109 Date : 04/10/2024

::सीमित निविदा सूचना ::

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण,संस्थान, सूरगुजा मे वर्ष 2024-2025 मे प्रशिक्षण में प्रतिभागी हेतु भोजन की व्यवस्था हेतु सीमित निविदा आमंत्रित की जाती है। इस कार्य मे इच्छुक भोजन आपूर्तिकर्ता जिनके पास फूड आपूर्ति का लाइसेंस , जी . एस. टी. न. तथा बैंक खाता हो वह दिनांक 21/10/2024 दोपहर 12 बजे तक बंद लिफाफे मे निर्धारित प्रपत्र मे अपनी निविदा इस कार्यालय मे जमा कर सकते हैं। प्राप्त निविदायें उसी दिन दोपहर 1 बजे उपस्थित निविदाताओ यदि कोइ हो तो उनके समक्ष केंद्र पर निविदा समिति द्वारा खोली जायेगी। इस कार्य कि अनुमानित कीमत अधिकतम रु 145 प्रति व्यक्ति प्रति दिन होगी। इस वर्ष 2024-2025 में लगभग 20 प्रशिक्षण होना प्रस्तावित है। निविदा को स्वीकृत अथवा निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरकर्ता के पास सुरक्षित रहेगा एवम् चयन समिति का निर्णय अंतिम एवम सर्वमान्य होगा। इस निविदा कि सूचना कार्यालय के सूचना पट्ट पर उपलब्ध होगा।

क्र . स.	समान / कार्य	दर	Gst %	Gst रु	कुल दर
१.					

सर्ते :1.खाना बनाने मे उच्च कोटि का खाद्य सामग्री , सुद्ध आटा , ताजा सब्जी , उच्च कोटि का खाद्य तेल का होना आवश्यक है। 2.खाना खिलाने क्रे लिये पत्तल , दोना , गिलास, बिछाने कि दरी पट्टी , पीने का पानी इत्यादि कि व्यवस्था भोजन आपूर्तिकर्ता को करनी होगी। 3.यह दरें वर्ष 2024 - 2025 के लिये मान्य होगी। 4.भोजन आपूर्तिकर्ता को पैन कार्ड, फूड लाइसेंस, जी एस टी न., बैंक पासबुक की छाया प्रति निविदा के साथ संलग्न करना आवश्यक होगा। 5.भुगतान बिल पारित करने के पश्चात कोष कार्यालय से पारित होने पर कर दिया जायेगा। नियमानुसार टी डी एस काटा जायेगा। पार्टी द्वारा ठेका बीच में छोड़ने पर जमानत राशि जब्त कर ली जायेगी।6.सफल निविदाता को जमानत राशि रु 50000 (पचास हजार रु मात्र) नकद /डी डी से जमा करवानी होगी। 7.भोजन मे किसी प्रकार की शिकायत व फूड पॉइजनिंग कि स्थिति में समस्त जिम्मेवारी भोजन आपूर्तिकर्ता की होगी। 8.क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा गठित समिति द्वारा समय समय पर खाद्य पदार्थों कि गुणवत्ता कि जाँच कर सकेंगे एवम् आपकी निविदा किसी भी वक्त रद्ध की जा सकती है। 9.किसी भी प्रकार की जोखिम और दुर्घटना के लिये क्षेत्रीय कार्यालय जिम्मेवार नहीं होगा। इस सम्बंध में अन्य जानकारी, पात्रता आवेदन पत्र हेतु आप क्षेत्रीय कार्यालय, अंबिकापुर में सम्पर्क कर सकते हैं। पूर्णता भरे हुए आवेदन हमारे क्षेत्रीय कार्यालय, अंबिकापुर के पते पर भेजने कि अंतिम तिथि 21/10/2024 है।

प्राधिकृत अधिकारी
सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

एनेक्जर-1

पार्सल ई-आक्शन-
COM/BSP/E-AUCTION/PARCEL/24

एसएलआर में पार्सल स्थान को पट्टे पर देने के अनुबंध के लिए ई-नीलामी आमंत्रित की गई है। कैटेलॉग पहले ही IREPS वेबसाइट (https://ireps.gov.in) पर प्रकाशित की जा चुकी है। विवरण निम्नानुसार हैः-
केटेलॉग क्र.: पार्सल-एसएलआर-बीएसपी
श्रेणी: (पार्सल)
नीलामी आरंभ: 11.10.2024, 15:00
लॉट विवरण: एसएलआर कोचिंग में पार्सल स्पेस (सिंगल कम्पार्टमेंट)
अनुबंध अवधि: 02 वर्ष

लॉट क्रमांक/ कैटेगरी
18114-एसएलआर-एफ1-बीएसपी-टाटा-24-1 (पार्सल-एसएलआर)
18114-एसएलआर-एफ2-बीएसपी-टाटा-24-1 (पार्सल-एसएलआर)
18114-एसएलआर-आर1-बीएसपी-टाटा-24-1 (पार्सल-एसएलआर)
18236-एसएलआर-एफ1-बीएसपी-बीपीएल-24-1 (पार्सल-एसएलआर)
18236-एसएलआर-एफ2-बीएसपी-बीपीएल-24-1 (पार्सल-एसएलआर)
18247-एसएलआर-एफ1-बीएसपी-रीवा-24-1 (पार्सल-एसएलआर)
18247-एसएलआर-एफ2-बीएसपी-रीवा-24-2 (पार्सल-एसएलआर)
18257-एसएलआर-एफ1-बीएसपी-सीएचआरएम-24-2 (पार्सल-एसएलआर)
18257-एसएलआर-आर1-बीएसपी-सीएचआरएम-24-1 (पार्सल-एसएलआर)
11202-एसएलआर-एफ1-एसडीएल-एनजीपी-24-2 (पार्सल-एसएलआर)
11202-एसएलआर- आर1-एसडीएल-एनजीपी-24-2 (पार्सल-एसएलआर)
22407-एसएलआर-एफ1-एबीकेपी-एनज्येडएम-24-1 (पार्सल-एसएलआर)
17481-एसएलआर-आर1-बीएसपी-टीपीटीवाय-24-1 (पार्सल-एसएलआर)
18234-एसएलआर-आर1-बीएसपी-आईएनडीबी-24-1 (पार्सल-एसएलआर)

सहायक वाणिज्य प्रबंधक/
सीपीआर/10/276 बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

कोरिया फ्रंटलाइन

हाईमास्ट लाइट और विद्युत व्यवस्था में सुधार के निर्देश: श्री जायसवाल

जिला खनिज संस्थान न्यास की शासी परिषद की बैठक संपन्न

छ.ग.फ्रंटलाइन

एमसीबी। जिला खनिज संस्थान न्यास की शासी परिषद की बैठक संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर डी. राहुल वेंकट की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस महत्वपूर्ण बैठक में स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल विशेष रूप से उपस्थित थे। बैठक में जिले के समग्र विकास और जनसुविधाओं से संबंधित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। बैठक में स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों में जल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, जिसमें आंगनबाड़ी, स्कूल में भी पानी पहुंचाया जाए। पीएचई विभाग को निर्देश दिए कि सभी बसाहटों में स्वच्छ पानी की आपूर्ति की जाए, ताकि लोगों को साफ और सुरक्षित पानी मिल सके।

स्वास्थ्य मंत्री ने क्रेडा विभाग को जिले के खड़गवां, उधनापुर, अखराडाड़ के अलावा अन्य क्षेत्रों में स्थापित हाईमास्ट लाइटों को जल्द सुधारने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने जिले के विद्युत आपूर्ति की समीक्षा करते हुए खड़गांव, मनेंद्रगढ़, खोंगापानी, चिरमिरी और भरतपुर क्षेत्रों में खराब ट्रांसफार्मरों को तत्काल ठीक कराने और नए ट्रांसफार्मर लगाने के लिए टेंडर प्रक्रिया जल्द शुरू करने का निर्देश दिया। बैठक में लंबे समय से लंबित मनेंद्रगढ़ मेडिकल कॉलेज की मांग पर भी चर्चा हुई। मंत्री जायसवाल ने कहा कि इसके लिए गंभीर प्रयास जारी हैं और जल्द ही इसका समाधान निकाला जाएगा। यह मेडिकल कॉलेज क्षेत्र के स्वास्थ्य सेवा को बेहतर बनाएगा और लोगों को उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराएगा। उन्होने शिक्षा विभाग को भी निर्देश दिए कि जिले के स्कूलों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित की जाए। उन्होंने बच्चों के लिए खेल सुविधाओं की बेहतरी और स्कूल परिसर में पेड़-पौधों की देखभाल पर भी जोर दिया। स्कूलों की नियमित जांच और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार पर विशेष ध्यान देने को कहा। मंत्री ने चिरमिरी क्षेत्र की सभी सड़कों की मरम्मत के निर्देश दिए और कहा कि नगरीय निकायों में प्रकाश व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने की आवश्यकता जताई। साथ ही मंत्री ने कुटीर उद्योग के विकास पर बल देते हुए कहा कि जिले में लघु उद्योगों के विकास के लिए युवाओं को प्रशिक्षण देने की योजना बनाई जानी चाहिए। इसके तहत लावलीवुड कॉलेज खोलने पर विचार हुआ, जिससे युवाओं को तकनीकी प्रशिक्षण मिलेगा और इससे रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। जिले के चिरमिरी वन क्षेत्र को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए भी निर्देशित किया। इसके अलावा खड़गवां और भरतपुर क्षेत्रों में मलेरिया की बढ़ती समस्या को देखते हुए मंत्री ने स्वास्थ्य विभाग को मलेरिया की जांच और रोकथाम के लिए सक्रिय कदम उठाने के निर्देश दिए। साथ ही जिले में बढ़ते सीने के दर्द के मामलों पर ध्यान देते हुए उन्होंने मरीजों की सही जांच सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

बैठक में मनेंद्रगढ़, चिरमिरी में अटल आवास बनाने के लिए जगह चिन्हांकित करने के लिए कहा है। इसके साथ ही चिरमिरी क्षेत्र को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में विकसित करने पर भी चर्चा की गई। साथ ही आंगनबाड़ी और शिक्षा विभाग के भवनों के भौतिक सत्यापन और उनकी गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए भी निर्देश जारी किए गए। बैठक में उपस्थित जिला खनिज संस्थान न्यास के सदस्यों ने भी आवश्यक सुझाव दिए। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट ने कहा कि बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों के सुझाव को अमल में लाते हुए जिला खनिज संस्थान न्यास की राशि का उपयोग नियमानुसार जिले के विकास के लिए किया जायेगा। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष कोरिया श्रीमती रेणुका सिंह, जिला पंचायत सदस्य दृगपाल सिंह, जनपद सदस्य मनेंद्रगढ़ श्रीमती अनिता सिंह, कसौरी सरपंच श्रीमती मुन्नी बाई, बुंदेली सरपंच आनंद भगत, मनवारी सरपंच रामलखन सिंह, पार्षद झगराखण्ड श्रीमती कमला गुप्ता, पार्षद मनेंद्रगढ़ श्रीमती सुनैना विश्वकर्मा, जनपद सदस्य, पार्षद नई लेदरी रामरति यादव, कलेक्टर डी. राहुल वेंकट, अपर कलेक्टर अनिल कुमार सिदार, वनमण्डलाधिकारी, मनीष कश्यप, पुलिस अधीक्षक चंद्रमोहन सिंह,सीएमएचओ अविनाश खरे सहित जिला अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

आवासविहीन परिवारों के लिए खुशी का माहौल

पीएम आवास अंतर्गत जिले में भूमिपूजन एवं गृहप्रवेश कार्यक्रम का हो रहा आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन

एमसीबी। जिले में आवास विहीन एवं जरूरतमंद परिवारों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत आवास सुविधाओं का लाभ पहुंचाने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। इसी क्रम में राज्य शासन के निर्देशानुसार 3 से 5 अक्टूबर तक जिलेभर में गृह प्रवेश एवं भूमि पूजन कार्यक्रमों का आयोजन हो रहा है। इन कार्यक्रमों के माध्यम से लाभार्थियों को नवनिर्मित घरों में प्रवेश का अवसर मिल रहा है जिससे उनके जीवन में खुशहाली का नया अध्याय शुरू हो रहा है। कार्यक्रम के तहत प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निर्माण किए गए घरों में हितग्राही पूरे उत्साह और उमंग के साथ गृह प्रवेश कर रहे हैं। इसके साथ ही योजना के अंतर्गत स्वीकृत नए आवासों का विधि-विधान से भूमिपूजन भी किया जा रहा है। यह आयोजन स्थानीय जन प्रतिनिधियों की उपस्थिति एवं शासकीय अधिकारियों तथा ग्रामीणों और हितग्राहियों की सहभागिता से उत्सवपूर्ण माहौल में संपन्न हो रहा है।

नव निर्मित आवासों को तोरण लगाकर सुंदर तरीके से सजाया जा रहा है। घरों के बाहर रंगोली बनाई जा रही है और दीप जलाकर पारंपरिक विधि-विधान का पालन किया जा रहा है। लाभार्थियों को प्रतीकात्मक रूप से घर की चाबी सौंपी जा रही है, और साथ ही मिठाई एवं उपहार वितरण का कार्यक्रम भी हो रहा है, जिससे इस आयोजन में खुशी का माहौल और भी रंगीन हो गया है। हितग्राहियों के चेहरे पर अपने नए घर की चाबी एवं प्रशस्ति पत्र पाकर जो खुशी दिख रही है, वह इस बात का प्रतीक है कि सरकार की इस योजना से उनके जीवन में एक महत्वपूर्ण बदलाव आया है। गृह प्रवेश के दौरान लाभार्थी परिवारों ने इस अवसर को उत्सव के रूप में मनाते हुए अपने नए जीवन की शुरुआत की। यह कार्यक्रम न केवल जरूरतमंद परिवारों को आवास प्रदान कर रहा है, बल्कि उन्हें सामाजिक सुरक्षा और सम्मान का भी अनुभव करा रहा है। राज्य सरकार की यह पहल समाज के कमजोर तबकों को सशक्त बनाने और उन्हें बेहतर जीवनशैली प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

कोटवारी भूमि के फर्जी पट्टा मामले में सरपंच-सचिव द्वारा दोनों पक्ष को दे दिया गया पंचनामा

अंबिकापुर। बतौली के ग्राम शिवपुर में कोटवारी भूमि को फर्जी पट्टा मामले में शिकायत के बाद ग्राम सरपंच द्वारा दोनों पक्षों से नामांतरण हेतु पंचनामा बनाकर दे देने से उक्त मामला और विवादित हो गया है जिसको लेकर अधिवक्ता एवं सामाजिक कार्यकर्ता धीरेंद्र शर्मा के नेतृत्व में आवेदक आकाश राम राजा राम सुशील सहित लगभग 15 से 20 की संख्या में बतौली तहसील पहुंच सरपंच के खिलाफ मामला विवादित बनाए जाने की शिकायत कर निष्पक्ष जांच करने मांग की है पीड़ित सहित उनके पक्ष में पहुंचे लोगों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए बताया कि वर्तमान में उक्त प्रकरण न्यायालय में लंबित है इसके बावजूद सरपंच एवं सचिव के द्वारा अवैधानिक रूप से कार्य किया गया है हाईकोर्ट अधिवक्ता धीरेंद्र शर्मा के द्वारा लिखित ज्ञापन देकर तहसीलदार से उक्त मामले का अतिशीघ्र निपटारा करने एवं सरपंच-सचिव के ऊपर वैधानिक कार्यवाही करने की मांग की है वहीं पीड़ितों का कहना है कि यदि उक्त प्रकरण में निष्पक्ष जांच व सुनवाई नहीं होती है तो वे उच्च न्यायालय के शरण लेंगे।

आने वाले समय में एमसीबी जिला मेडिकल हब के रूप में जाना जाएगा: सीएमएचओ

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेंद्रगढ़ (एमसीबी)। जिला मुख्यालय मनेंद्रगढ़ के चैनपुर में स्थित पत्रकार भवन में शुक्रवार को एमसीबी प्रेस क्लब के तत्वावधान में जिले के पत्रकारों एवं उनके परिजनों के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। आयोजित शिविर में जिले के विशेषज्ञ चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य अमले के द्वारा अपनी सेवाएं प्रदान की गई। पत्रकारों और उनके परिजनों के साथ ही आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों डोमनापारा, चैनपुर, लालपुर के ग्रामीणों सहित चैनपुर प्राथमिक शाला के बच्चों ने भी बड़ी संख्या में शामिल होकर स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाया। शिविर में जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे, पूर्व सीएमएचओ डॉ. सुरेश तिवारी, बीएमओ मनेंद्रगढ़ एवं शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. एसएस सिंह, एमडी आयुर्वेद डॉ. पूर्णिमा सिंह, अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रकाश जायसवाल, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. अंशुल सिंह, दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. विनय शंकर सिंह, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. अभया गुप्ता, डॉ. एसपी गुरिया, डॉ. ऊषा लकड़ा, डीपीएम डॉ पुष्पेंद्र सोनी एवं काउंसलर सरला तिवारी ने अपनी सेवाएं दी। सीएमएचओ डॉ. अविनाश खरे ने कहा कि एमसीबी जिले को आने वाले समय में मेडिकल हब के रूप में जाना जाएगा। उन्होंने मेडिकल कॉलेज, आईसीयू और जिला अस्पताल के शीघ्र शुभारंभ होने की बात कही। पूर्व सीएमएचओ डॉ. सुरेश तिवारी ने जिले में विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी को चुनौती बताया और कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित सरकारी अस्पतालों में विशेषज्ञ चिकित्सक क्यों नहीं जाना चाहते, शासन को इस पर आत्मा से विचार करना होगा। उन्होंने शासन को रेफर सिस्टम को समाप्त किए जाने पर विचार करने को कहा साथ ही जिले में स्वास्थ्य सुविधा को सुदृढ़ करने टीम के रूप में कार्य करने के लिए भरोसा दिलाया। बीएमओ डॉ. एसएस सिंह ने कहा कि जरूरतमंदों को समय पर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने आयुष्मान योजना की सराहना की और सभी से इसका लाभ लेने की अपील की। प्रेस क्लब के अध्यक्ष रंजीत सिंह ने शिविर में अपनी सेवाएं देने के लिए पहुंचे चिकित्सकों के प्रति साधुवाद व्यक्त करते हुए कहा कि क्लब के द्वारा प्रशासनिक एवं जनसहयोग से सामाजिक कार्यों का निर्वहन किया जा रहा है। उन्होंने क्लब के द्वारा आयोजित सभी कार्यक्रमों में सदस्यों के अटूट सेवाभावी कार्यों की सराहना की।

समाज की मांग पर बनेगा दुबछोला में महारानी दुर्गावती चौक

विधायक निधि से 10 लाख रुपए देने की स्वास्थ्य मंत्री ने मंच से की घोषणा

■ रानी दुर्गावती से प्रेरणा लेकर खुद को शसक्त और मजबूत करें माता, बहनें: स्वास्थ्य मंत्री

छ.ग.फ्रंटलाइन

चिरमिरी/खड़गवां (एमसीबी)। खड़गवां जनपद के दुबछोला ग्राम पंचायत में शनिवार को नवीन जनजाति गौरव समाज महारानी दुर्गावती के जमोत्सव पर प्रेरणा लेने सास्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर आसपास के सभी लोगों को बुलाकर मनोरंजन कराया गया और रानी दुर्गावती के जीवन पर समाज के नेताओ द्वारा प्रकाश डालने का काम किया गया। उक्त कार्यक्रम में पूर्व विधायक व संसदीय सचिव श्रीमती चंपा देवी पावले, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रेणुका सिंह, जनपद अध्यक्ष खड़गवां सोनमती उर्रे, पूर्व जनपद अध्यक्ष कन्या कुमारी नेटी, नेता प्रतिपक्ष संतोष सिंह, पार्षद पुष्पा सिंह सहित समाज के पुरोधा और ग्रामीण मौजूद रहे। कार्यक्रम के बीच में पहुंचे मुख्य अतिथि प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल महरानी दुर्गावती के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर महारानी दुर्गावती को याद किए। जनजाति गौरव समाज के बैनर तले आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित समाज के लोगों को संबोधित करते हुए केबिनेट मंत्री ने कहा कि आज से 05 साल पहले दुबछोला कैसा था, 25 साल पहले कैसा था, आज 25 साल बाद कैसा है। एक भी पक्का घर नहीं था, एक भी पक्का सड़क नही था, बिजली नही था, हैंडपंप नही था। मोबाइल नही था लेकिन 500 साल पहले 05 अक्तूबर 1524 में रानी दुर्गावती का जन्म कालिंजर के राजा जी के घर में हुआ। 500 साल पहले कल्पना कीजिए कि जहा सड़क नही, बिजली नही, मोबाइल नही, गाड़ी नही, उस जमाने में रानी दुर्गावती का विवाह गड़ मंडला राजा संग्राम सिंह के बेटे दलपत शाह जी के साथ 1550 ईसवी में हुआ और दलपत शाह जी के निधन के बाद अपने छोटे से बेटे को गद्दी पर बैठाकर पूरे देश और विश्व में नारी शक्ति का मान बढ़ाया है। मुगलों के साथ समझौता नहीं किया बल्कि 51 बार युद्ध लड़ा और जीता भी, 52 वे बार जब हारने की नौबत आई तो मुगलों की दासी बनने की बजाय अपने ही खंजर से अपनी जान ले ली। हम सबको यैसी महारानी से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है कि नारी कभी भी कमजोर नही रही। आज की दिन विशेष है क्योंकि रानी दुर्गावती का जन्म आज ही के दिन 05 अक्तूबर और नवरात्रि का समय और साल 1524 रहा और आज भी 05 अक्तूबर है, नवरात्रि चल रहा है और साल 2024 है। वही जनजाति गौरव समाज की मांग पर मंच से ही केबिनेट मंत्री ने दुबछोला में चौक निर्माण के लिए विधायक निधि से 10 लाख रुपए देने की घोषणा की और कहा कि घटने पर और दिया जाएगा लेकिन चौक खूबसूरत होना चाहिए। इसके बाद मंत्री ने ग्रामीणों के कहने पर चौक के स्थान का निरीक्षण किया। उक्त कार्यक्रम में सरपंच दुब्छोला श्रीमती राम कुंवर, रामलखन सिंह जिला महामंत्री मंच संचालन, मुकेश जायसवाल जिला कोषाध्यक्ष भाजपा एम सी बी, प्रेम सिंह सरपंच कौड़ीमार, प्रेम नारायण पूर्व सरपंच कटकोना तथा सैकड़ों लोग मौजूद रहे और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आंनद उठाए। उपस्थित भीड़ को शांत करने के लिए थाना प्रभारी खड़गवां रामनयन गुप्ता दल बल के साथ तैनात रहे।

जन जन तक पहुंच रही स्वास्थ्य सुविधाएं

■ जशपुर जिले में टीबी मुक्त ग्राम पंचायत बनाने का अभियान तेज गति से हुआ शुरू

छ.ग.फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश में जशपुर जिले में टीबी मुक्त पंचायत बनाने का अभियान चलाया जा रहा है। जन जागरूकता अभियान के तहत लोगों को टीबी के लक्षण के बारे में जानकारी दी जा रही है। और संभावित मरीजों का पहचान कर उनको नि:शुल्क दवाईयां उपलब्ध कराया जा रहा है। कलेक्टर डॉ रवि मित्तल के मार्गदर्शन में बगीचा विकास खंड में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, स्वास्थ्य अमला, मितानिन घर घर जाकर जन जन तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाई जा रही है।

बगीचा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के डां. सुनील कुमार लकड़ा ने बताया कि स्वास्थ्य टीम घर घर जाकर 1000 की जनसंख्या में 30 लोगों का सैम्पल लिया जाता है। और संभावित मरीजों को समय पर ईलाज और दवाईयां दी जा रही है। बगीचा विकासखंड में टीबी मुक्त अभियान जोरों शोरों से जारी है। अमला एक एक मरीज का चिन्हांकन कर विकासखंड को टीबी मुक्त पंचायत बनाने के लिए सार्थक प्रयास कर रहे है।

लोहारीडीह कांड पर भूपेश का हमला, सरकार से पूछे 5 सवाल

रायपुर (वीएनएस)। कवर्धा जिले के लोहारीडीह कांड को लेकर छत्तीसगढ़ की राजनीति में हलचल मची हुई है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, और पूर्व मंत्री धनेन्द्र साहू ने सरकार को इस घटना के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए कई गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने सरकार की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए न्यायिक जांच की मांग की है।

नगर पालिका अध्यक्ष ने किया ओपन जिम का लोकार्पण

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेंद्रगढ़ (एमसीबी)। जिले के मनेन्द्रगढ़ स्थित आमाखेरवा रोड वार्ड नंबर 16 रानी दुर्गावती वार्ड में कोरिया नीर के बगल से नगर पालिका परिषद मनेन्द्रगढ़ द्वारा ओपन जिम का लोकार्पण किया गया। इस नवनिर्मित ओपन जिम में कार्यक्रम की मुख्य अतिथि शहर की प्रथम महिला नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रभा पटेल, विशिष्ट अतिथि नगर पालिका उपाध्यक्ष कृष्ण मुरारी तिवारी एवं वार्ड नंबर 16 की पार्षद श्रीमती उषा यादव ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की साथ ही पीआईसी सदस्य व लोक निर्माण प्रभारी मोहम्मद हुसैन, सभी पार्षदगणों ने ओपन जिम पार्क का उद्घाटन किया। इस दौरान वार्ड पार्षद श्रीमती उषा यादव ने कहा कि वार्ड में ओपन जिम खोलने से वार्ड के इस क्षेत्र का सौंदर्यीकरण हुआ है। शारीरिक व्यायाम के लिए नौ प्रकार की मशीन लगाई गई हैं जिसमें 15 प्रकार के एक्सरसाइज किया जा सकता है जिससे आमजनों को शारीरिक व मानसिक रूप से इसका सीधा लाभ मिलेगा जो कि हमारा एक सपना था जिसे पूरा करने में हमारी नपाध्यक्ष प्रभा पटेल जिन्होंने अपनी अध्यक्ष निधि से अनुशंसा कर हमारे इस सपने को पूरा किया है जिनका दिल से आभार व्यक्त करते है। नपाध्यक्ष ने कहा कि इस भागदौड़ वाली जिंदगी में लोग अपने आप को चिंता मुक्त रखने के लिए ओपन जिम आयेंगे, कसरत करेंगे और अपने शरीर को फिट बना सकेंगे इस ओपन जिम में हर वर्ग और हर उम्र के लोग यहां आकर वर्जिश कर फिटनेस स्वास्थ्य लाभ ले सकेंगे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व ऑफसेट पुराना पोस्ट ऑफिस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर (छ.ग.) पिन नं. 497001 से मुद्रित व महलपारा बैकुण्ठपुर से प्रकाशित। संपादक- कमलेश शर्मा